बर्षः- 05
अंकः- 276
मुरादाबाद
(Thursday)
29 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अजित पवार विमान हादसाः परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, फूट-फूट कर रोईं सुप्रिया सुले और पत्नी सुनेत्रा

अजित पवार को श्रद्धांजलिः प्रधानमंत्री ने कहा- उनमें जुनून था;फडणवीस बोले- दमदार, दिलदार दोस्त छोड़कर चला गया

बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद पूरा इलाका शोक में डूब गया। परिवार से मिलने पहुंचीं सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार परिवार से मिलते ही फूट-फूट कर रोने लगीं। फिलहाल अब अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है। कल 11 बजे पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया जाएगाबारामती में मंगलवार सुबह हुए विमान हादसे ने महाराष्ट्र की राजनीति और पवार परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया। इस हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन की खबर फैलते ही माहौल गमगीन हो गया। परिवार से मिलने पहुंचीं एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले और अजित पवार की पत्नी व राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार खुद को संभाल नहीं सकीं और फूट-फूट कर रो पड़ीं। बारामती में हर चेहरा शोक और सन्नाटे से भरा दिखा।हादसा कैसे हुआ?- सुबह के समय अजित पवार जिस चार्टर्ड विमान से बारामती आ रहे थे, वह लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों के अनुसार यह एक क्रैश लैंडिंग थी, जिसमें विमान को गंभीर क्षति पहुंची और अजित पवार का निधन हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और आपदा राहत टीमें मौके पर पहुंचीं। इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई, जबकि पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई।

परिवार से मुलाकात में छलका दर्द- हादसे के बाद सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार बारामती में पवार परिवार के सदस्यों से मिलने पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने परिजनों को देखा, दोनों अपने आंसू नहीं रोक सकीं और फफक-फफक कर रो पड़ीं। घर के बाहर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पूरे माहौल में सन्नाटा पसरा रहा।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बुधवार सुबह महाराष्ट्र के बारामती में विमान हादसे में मौत हो गई। लियरजेट-45 विमान, जिसमें कुल पांच लोग सवार थे, लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में किसी की जान नहीं बच सकी। अजित पवार के निधन से महाराष्ट्र और राष्ट्रीय राजनीति में सदमे की स्थिति है, जबकि प्रशासनिक स्तर पर हादसे के तकनीकी कारणों की तलाश जारी हैमहाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत बुधवार सुबह पुणे जिले में एक विमान दुर्घटना में हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब विमान पुणे के बारामती में लैंडिंग कर रहा था। इस घटना से देश भर में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अजित पवार के निधन पर दुख जताया है। वहीं, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले, अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और बेटा पार्थ पवार, दिल्ली से बारामती के लिए रवाना हो चुके हैं।महाराष्ट्र में तीन दिन का शोक घोषित

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, %हमने राज्य में तीन दिन का शोक घोषित किया है। अजित पवार जैसा नेता खोना एक अपूरणीय क्षति है। महाराष्ट्र के लिए आज का दिन कठिन है। वह जन नेता थे। निजी जीवन में वह मेरे अच्छे मित्र थे। हमने साथ मिलकर कई चुनौतियों का सामना किया। जिस समय वह महाराष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहे थे, उसी समय उनका असामयिक निधन होना अत्यंत दुखद है। उन्हें महाराष्ट्र के कोने-कोने की जानकारी थी। यहां के हर मुद्दे से वो वाकिफ थे। अजित दादा संघर्षशील नेता थे। वे किसी भी परिस्थिति में डगमगाए बिना आगे बढ़ने वाले व्यक्ति थे। आज मेरा दमदार, दिलदार दोस्त मुझे छोड़कर चला गया। हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं। मैं और एकनाथ शिंदे जी आज बारामती जाएंगे। मैंने इस घटना की जानकारी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को दे दी है और उन्होंने भी इस पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर भावुक पोस्ट में लिखा, %बारामती, महाराष्ट्र में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजन खो दिए। मैं इस क्षण में शोकग्रस्त परिवारों के लिए शक्ति और साहस की प्रार्थना करता हूं।

पीएम मोदी ने लिखा, अजित पवार जी लोगों के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत संबंध था। उन्हें महाराष्ट्र के लोगों की सेवा में मेहनती और समर्पित व्यक्ति के रूप में व्यापक सम्मान मिला। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीब व वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी उल्लेखनीय था। उनका आकस्मिक निधन बेहद स्तब्ध करने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ? शांति।%गृह मंत्री अमित शाह ने जताया दुख- वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, %आज एक दुःखद हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और ह्रष्ठ के हमारे वरिष्ठ साथी अजित पवार जी को खो देने की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। अजित पवार जी ने बीते साढ़े तीन दशकों में जिस प्रकार महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए खुद को समर्पित किया, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। वे जब भी मिलते थे, महाराष्ट्र की जनता के कल्याण संबंधी अनेक विषयों पर लंबी चर्चा करते थे। उनका निधन ह्रष्ठ परिवार के साथ ही मेरे लिए भी व्यक्तिगत क्षति है। मैं पवार परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। शोक की इस घड़ी में पूरा ह्रष्ठ शोक-संतप्त पवार परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ? शांति शांति शांति।%सीएम फडणवीस भी हुए भावुक- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक्स पर भी पोस्ट साझा किया और लिखा, %जमीन से गहरा जुड़ाव रखने वाले जनता के नेता, मेरे मित्र और सहयोगी, उप-मुख्यमंत्री अजित दादा पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। यह आत्मा को झकझोर देने वाली घटना है। मन सुन्न हो गया है। अपनी भावनाएं शब्दों में व्यक्त करने की शक्ति नहीं बची है। मैंने अपने एक मजबूत और उदार मित्र को खो दिया। यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। ऐसी क्षति जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। आज का दिन महाराष्ट्र के लिए अत्यंत कठिन है। मैं दादा को हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके पूरे परिवार और एनसीपी परिवार के दुख में सहभागी हैं। इस दुर्घटना में चार अन्य लोगों ने भी अपनी जान गंवाई। हम उनके परिवारों के साथ भी समान रूप से शोक साझा करते हैं। मैंने अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। मैं शीघ्र ही बारामती के लिए रवाना हो रहा हूं।

एकनाथ शिंदे क्या बोले?- अपने सहयोगी अजित पवार के निधन पर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, %यह महाराष्ट्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। यह हमारे लिए और पूरे महाराष्ट्र के लिए एक दुखद घटना है। अजित दादा अपने वचन के पक्के आदमी थे। जब मैं मुख्यमंत्री था और वह उप मुख्यमंत्री थे, तब हमने टीम के रूप में काम किया। उसी दौरान हमने लाडली बहन योजना शुरू की थी, जिसमें अजित दादा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।%राज ठाकरे भी हुए भावुक- महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे भी अजित पवार के निधन पर भावुक हो गए। उन्होंने एक लंबे पोस्ट में लिखा, %राज्य के उपमुख्यमंत्री और मेरे मित्र अजित पवार के निधन की खबर ने मुझे स्तब्ध कर दिया। महाराष्ट्र की राजनीति ने आज एक उत्कृष्ट और प्रभावशाली नेता को खो दिया है। अजित पवार और मैंने लगभग एक ही दौर में राजनीति की शुरुआत की, भले ही हमारी जान-पहचान कुछ समय बाद हुई, लेकिन राजनीति के प्रति उनके अद्भुत जुनून ने उन्हें महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षितिज पर बहुत तेजी से आगे बढ़ाया। वे पवार साहब की परंपरा में ढले नेता थे, परंतु उन्होंने अपनी अलग पहचान गढ़ी और वह पहचान महाराष्ट्र के हर कोने तक गूंजती रही। मेरे परिवार और मैं पवार परिवार के दुख में सहभागी हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की ओर से अजित पवार को विनम्र श्रद्धांजलि।%किसने क्या कहा?- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, %महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री अजित पवार के आकस्मिक निधन के बारे में जानकर मैं गहरे सदमे में हूं और दुखी हूं। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र के विकास और समृद्धि के लिए निरंतर कार्य किया। वे जनसेवा के प्रति अपनी निष्ठा और लोगों के प्रति अपनी संवेदनशीलता के लिए जाने जाते थे। मैं उनके परिवार, शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।% केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, %आज बारामती में विमान दुर्घटना में अजित पवार के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। उनके परिवार, प्रियजनों और इस क्षति से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। उनकी सार्वजनिक जीवन में योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा, और शोक संतप्त परिवार इस कठिन समय में शक्ति पाए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, हम पीड़ा और शोक में हैं... वह मेरे करीबी मित्र थे और हमारी सरकार में महत्वपूर्ण पद संभालते थे। वह महाराष्ट्र के महान नेता थे और अब हमारे बीच नहीं रहे। मेरी गहरी संवेदना उनके सभी परिवारजनों और अनुयायियों के प्रति है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि इस कठिन समय में उनके परिवार को सहनशीलता और शक्ति प्रदान करें...।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, मैं पूरे पवार परिवार और उनके समर्थकों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। मैंने अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा और सुप्रिया जी (सुप्रिया सुले) से बात की है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, यह बहुत ही चौंकाने वाली, दुखद और हृदयविदारक घटना है। हमारे बीच कभी मतभेद रहे, लेकिन हमने साथ मिलकर काम किया। वह वास्तव में एक निष्ठावान व्यक्ति थे, जो अपने कार्य के प्रति समर्पित थे। मैं पवार साहब, सुप्रिया जी, सुनेत्रा जी, पार्थ और जय के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। साथ ही बारामती के लाखों-करोड़ों लोगों के प्रति भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती हूंज्अजित जी का इस तरह चले जाना बहुत दुखद है।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, %विमान हादसे को लेकर मिली जानकारी बेहद दुखद और परेशान करने वाली है।

समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने कहा, %यह बहुत दुखद खबर है। ईश्वर उनकी रक्षा करें।%

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, %यह सामाजिक और राजनीतिक दोनों ही क्षेत्रों के लिए बेहद दुखद घटना है। पिछले कई दशकों में ऐसी घटना देखने को नहीं मिली। वह देश के जाने-माने नेता थे और ऐसे नुकसान की भरपाई करना बेहद कठिन होगा।

केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल ने कहा, अजित पवार जी ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपना एक अलग स्थान बनाया था। यह उनके परिवार और राज्य के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनके निधन से महाराष्ट्र की राजनीति का समीकरण बदल जाएगा।

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत ने कहा, %अजित पवार के विमान हादसे की खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। अभी मैं भगवान से प्रार्थना कर रहा हूं क्योंकि मुझे अभी तक उनकी मृत्यु की आधिकारिक पुष्टि की जानकारी नहीं मिली है। मुझे बताया गया है कि उन्हें घायल अवस्था में चार्टर्ड विमान से मुंबई ले जाया गया। हम सब उनकी कुशलता की कामना कर रहे हैं। बारामती में हुआ भयावह हादसा सुनकर मैं हतप्रभ हूं और इस घटना की हर पहलू से जांच होनी चाहिए कि कहीं यह कोई साजिश तो नहीं थी और यह हादसा कैसे हुआ।

केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, यह बहुत चौंकाने वाली और दुखद खबर है। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।%

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, इतने ऊर्जावान नेता का अचानक यूं चले जाना बेहद दुखद है। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता समा राम मोहन रेड्डी ने कहा, %महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन से हम गहरे दुखी हैं। उनका जाना महाराष्ट्र और पूरे देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

डीएमके सांसद टी. शिवा ने कहा, यह बहुत दुखद है। अपने दुःख को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह इतने गतिशील और प्रभावशाली राजनेता थे।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बारे में हमें वास्तव में दुखद समाचार मिल रहा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर इस समय उनके परिवार और पार्टी के सदस्यों को शक्ति दें। हम इस घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़े हैं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा, %मैं हमेशा वही करता था जो वे कहते थे। वे एक साहसी व्यक्ति थे। बारामती क्षेत्र के विकास में उनका बड़ा योगदान रहा है। मैं पूरे पवार परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।% क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के सांसद एन. के. प्रेमचंद्रन ने कहा, %यह जानकर बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है कि ऐसा हादसा हुआ है। हमें अभी विवरण की पूरी जानकारी नहीं है, इसलिए हमें रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि वास्तव में क्या हुआ। यह वाकई चौंकाने वाला और बेहद दुखद है। उपमुख्यमंत्री और उनकी टीम विमान में यात्रा कर रहे थे और यह हादसा हो गया। इसकी जांच होनी चाहिए, हमें रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए।

NCP-SCP : नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री, अनिल देशमुख, अजित पवार के निधन की खबर सुनकर भावुक हो गए और रो पड़े।

संक्षिप्त समाचार

बरेली से बाहर भेजे गए अलंकार अग्निहोत्री, समर्थकों ने किया कार रोकने का प्रयास, पुलिस से धक्कामुक्की

निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच बरेली से बाहर भेज दिया गया। इस दौरान उनके समर्थकों ने गाड़ी रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिस अलंकार अग्निहोत्री को वाहन में बैठाकर बाहर भेजने में कामयाब रही।बरेली में निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर 2ः18 बजे निजी वाहन से बरेली से बाहर भेज दिया गया। इस दौरान उनके समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। समर्थकों ने अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से धक्कामुक्की कर दी।धक्कामुक्की होने से एक इंस्पेक्टर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया। । इसके बाद उनके समर्थकों ने रामपुर की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर नारेबाजी शुरू दी। हाउस अरेस्ट करने का लगाया था आरोप - इससे पहले, बुधवार को सुबह अलंकार अग्निहोत्री सरकारी आवास से निकलकर गेट पर आए थे और मीडिया कर्मियों से खुद को हाउस अरेस्ट होना बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रशासन ने उन्हें आवास के अंदर ही रहने की हिदायत दी है और वह कानून को मानकर अपने आवास में ही रुके। अलंकार ने कहा कि उन्हें उनके आवास से बाहर नहीं निकलने दिया

संपादकीय Editorial

To prevent wasteful land use.

If a committee headed by Revenue Minister Jagat Singh Negi is now beginning to explore and refine the utility of public land, it represents a new development paradigm. For the first time, a government is investigating how much land is lying idle and in ruins under departmental control. If Himachal Pradesh can determine how sustainable and sustainable its land is, economical use will improve. Land restructuring will be achieved through pooling and establishing better standards for forest land. First and foremost, it is essential to create a land bank of government land. Given the challenges of the next century, public land needs are changing, and it is a matter of study how much land, sky, water, and environment are needed to meet the changing meanings of development, housing, connectivity, business, employment, and self-reliance for 7 million Himachalis. Declaring at least 68 percent of the land as forest and relying on the remaining 32 percent cannot achieve the desired, dynamic, and sustainable results. Well, the Sukhwinder Singh Sukhu government is at least considering how appropriate, incorrect, and wasteful or misused departmental land use has been. Future major institutions, new priorities, and standards of progress require more land. Almost every city needs additional land to develop in a future-oriented way. To this end, every city should establish a land bank, and indeed, a land bank should exist at the village level. Land is needed to improve road intersections, and every village needs land for bus stops and parking. We have always advocated for the development of at least one playground in every village, while a community playground should be established on each of the four sides of the city. Similarly, land used for public use must now be considered for better use. If the current government has initiated the process of shifting rented offices to vacant government buildings, it must be taken in the right perspective. A similar initiative was taken by the Dhumal government when a single combined building for multiple offices was started. Many government buildings constructed in the wrong or ill-conceived locations will have to be removed. Just as shifting many offices from the capital Shimla to the district level will increase utility, similarly, unnecessary offices will have to be removed from district headquarters.

The unnecessary and scattered construction of dak bungalows across the state is a waste of land. Considering the importance of districts and major cities, providing rest house facilities for all in one building would be cost-effective. For example, if joint rest houses were built in district headquarters other than Shimla, they could be better managed through the Tourism Corporation. In Dharamshala, if rest house and circuit house facilities were provided in a single 100-room complex adjacent to the Assembly complex, at least two dozen buildings would be freed up. Furthermore, if the private sector were partnered, such buildings could be made available at no cost. Under a start-up scheme, providing space to educated unemployed youth and handing over the residential facilities of government employees and officials would save government expenditure and many young people would find employment opportunities. Public land will be used more effectively if a Government Estate Management and Development Authority is established to oversee the construction, development, and maintenance of government properties. This way, instead of assigning land to various departments, the Estate Authority will be able to work professionally to effectively manage the allocation and use of government buildings within its land bank.

Youth connecting with their culture, Zen-ji's spiritual journey, a positive sign.

The increasing participation of youth in recent events like the Somnath Swabhiman Parv, the Ayodhya Temple, and the Maha Kumbh Mela reflects their deep connection to Indian culture and spirituality. They are also sharing their cultural heritage on the internet. Inspired by spiritual leaders like Sadhguru and Premanand Ji Maharaj, youth are increasingly drawn to pilgrimages and religious sites, benefiting the local economy. This trend is a positive sign of India's cultural resurgence. Increasing youth participation in religious events, youth presence at pilgrimages and cultural sites, and cultural resurgence inspired by spiritual leaders. Recently, the four-day "Somnath Swabhiman Parv" was held at the Somnath Temple in Gujarat, attended by Prime Minister Narendra Modi. This festival is a prime example of the vitality of India's people and civilization. This country has been plundered by numerous tyrants, brutalized by its people, and brutal attempts have been made to destroy its civilization. However, India's descendants have fought back, rising again and again, and made unwavering efforts to preserve and protect its priceless heritage. Over the past decade, the country has witnessed numerous events that have restored India's lost self-respect and pride. The construction of the magnificent temple at Shri Ram Janmabhoomi in Ayodhya is a unique example of this. After a major struggle, when the temple was rebuilt, devotees from across the country and abroad flocked to pay their respects to Lord Ram. Even today, a large number of devotees continue to arrive daily. The majority of these devotees are young people. Last year, the Maha Kumbh Mela in Prayagraj saw millions of devotees arrive, and the highest number of these devotees were young people. It is a heartening experience to witness the increasing participation of India's youth in such religious events. In this age of internet media, young people are very vocal about their cultural heritage. They are also sharing their views on Indian culture and civilization on various internet media platforms. In recent years, the participation of the country's youth in religious pilgrimages and pilgrimages to Indian holy places has been increasing. Youth from all corners of the country are visiting temples and pilgrimage sites in India's mountainous regions. These young people, pursuing education in technology, medicine, management, humanities, and many other fields, are deeply passionate about spirituality and religion. They participate in the Char Dham Yatra, which takes place every summer. Thousands of them trek the arduous mountain routes to reach Kedarnath. They share the beautiful memories of these journeys on internet media and inspire others to undertake similar spiritual and religious journeys. The access these young people provide to temples, monasteries, and ashrams in remote areas of India is also providing social and economic benefits to the local population. Recently, a survey conducted by the Uttarakhand government revealed some data regarding the famous Kainchi Dham in Uttarakhand, which shows that the number of devotees visiting this place of Baba Neeb Karori is increasing steadily. The majority of these devotees are young people between the ages of 15 and 30. This also reveals that young people visit such places for spiritual progress and peace. Countless media have made information about India's religious and spiritual world accessible to every class and group, influencing today's young generation to visit such places and promote its culture. Influenced by the thoughts of India's saints and spiritual thinkers, young people remain connected to the spiritual stream. For example, Sadhguru Jaggi Vasudev, founder of the Isha Foundation, combines spirituality with science in his speeches. He reveals the subtle secrets of spirituality through scientific experiments. Thousands of young men and women participate in his campaigns and events. Hundreds of people are also being inspired by the thoughts of the renowned saint Premanand Ji Maharaj, who lives in Vrindavan. In his speeches, Premanand Ji connects religion with service and conduct. The impact of his words is clearly visible on the youth. Such positive changes in Indian society today are extremely heartening and satisfying. Many countries around the world are facing political turmoil, with youth taking to the streets in violent protests. In such a situation, the connection of Indian youth with their roots and progress on the spiritual path is a good sign. Swami Vivekananda, while addressing the youth, said, "Know your nation, its great culture, its civilization, its religion, and do not forget your glorious past. Remember who we are? Whose great ancestors' blood flows through our veins? Lay the foundation of a great India that can guide the world." Inspired by this, the country's young generation can integrate yoga, meditation, and spirituality into their lives. Remembering their great ancestors, they can also contribute to the country's cultural heritage. It is making an invaluable contribution to this revival. India's ancient civilization and culture are fueling a renaissance in today's society. This transformation is giving India a new direction and creating a new India.

An Opportunity to Inculcate Democratic and Republican Values

Defense Minister Rajnath Singh highlighted India's democratic and republican values. He described the journey from Dr. Rajendra Prasad's vision to PM Modi's "Sabka Saath, Sabka Vikas" policy. The article emphasized social justice, economic equality, and citizen welfare through initiatives such as the Labor Codes, Startup India, the PM Garib Kalyan Anna Yojana, and the Nari Shakti Vandan Act, which strengthen the ongoing journey of the Indian Republic. Addressing the first Lok Sabha on May 16, 1952, the country's first President, Dr. Rajendra Prasad, reminded the members of Parliament of the seriousness of their democratic responsibilities. He clarified that with the enactment of the Constitution, with the election of the President and the first general elections, the first phase of independent India's democratic journey had been completed, and the country was now entering a second phase that would be uninterrupted. Indeed, at the heart of the Constitution and the entire system of democracy is "We, the People of India," and their social and economic upliftment is the goal. This goal has always been an integral part of India's political consciousness. In ancient India, the principle of "yoga-kshema" was linked to the welfare and security of the individual. Mahatma Gandhi's idea of ??"Sarvodaya" also focused on the upliftment of all. Pandit Deendayal Upadhyaya's principles of "Integral Humanism" and "Antyodaya" also focused on the holistic development of the individual and the upliftment of the underprivileged. This tradition of placing citizens at the center of development is also currently enshrined in Prime Minister Narendra Modi's policy of "Sabka Saath, Sabka Vikas." Since 2014, under Prime Minister Modi's leadership, this vision of people-centric governance is clearly visible in the government's policies and actions. This has given impetus and strength to the fulfillment of constitutional objectives. Under the Directive Principles of State Policy enshrined in the Constitution, the state has the responsibility to ensure humane and just conditions for workers. To this end, the central government recently consolidated 29 labor laws into four labor codes. This is a major step towards providing better economic and social security for workers. The Constitution directs the state to continuously strive to reduce economic inequalities. This objective can only be achieved when every section of society has equal opportunities for education and employment. Several important policy decisions taken in the past few years have led to this equality of opportunity at every level. A notable example is the Startup India initiative, which recently completed its tenth anniversary. Through the policy support, financial assistance, and mentorship provided under this initiative, it has become much easier for anyone to start a business. Economic progress becomes inclusive only when there is equality of opportunity. This plays a crucial role in reducing income inequality. All economic policies over the past 12 years have been inspired by this idea. As a result, the benefits of India's economic progress are reaching every citizen equally. According to the World Bank's "Spring 2025 Poverty and Equity Brief," India has lifted 171 million people out of extreme poverty in the last decade. Reservation benefits have been extended to both socially disadvantaged and economically weaker sections. The central government has consistently focused on ensuring a dignified life and social justice for the people, along with inclusive development. Laws like the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016, and the Muslim Women (Protection of Rights on Marriage) Act, 2019 have further strengthened social justice. The Swachh Bharat Mission is a prime example of this spirit of ensuring a dignified life. This spirit of public welfare is also evident in initiatives like the Pradhan Mantri Garib Kalyan Anna Yojana and the Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana. Under the Anna Yojana, free food grains are being provided to over 800 million people. When Prime Minister Modi called for a "self-reliant India," it was not limited to the economic level alone, but also aimed to foster a sense of self-reliance among citizens. Therefore, initiatives like the Mudra Yojana and the Skill India Mission have emphasized empowering citizens to become self-reliant and entrepreneurial. At the heart of these schemes is the creation of self-reliant citizens, who are also becoming the foundation of a self-reliant India. In this regard, the Ayushman Bharat Yojana has proven to be an important initiative. It has greatly benefited the economically weaker sections, who were deprived of quality healthcare due to lack of resources. Similarly, the Jan Dhan Yojana has provided financial security to a large number of citizens by connecting them to the formal banking system. The Nari Shakti Vandan Act provides for 33 percent reservation for women in the Lok Sabha and State Legislative Assemblies. This Act strongly expresses all three principles of democracy, as increased representation of women in legislative bodies not only expands the social base of sovereignty but also makes policymaking more inclusive. Public welfare, inherent in democratic principles, is a continuous responsibility that every generation must fulfill in its time. The strength of a democratic system depends not only on the strength and longevity of its institutions, but also on the It reflects the transformation the system of governance brings about in the lives of the people. We must remember that the journey of the Indian Republic must continue. This is also our responsibility. This 77th Republic Day is not only an occasion to remember this responsibility, but also to go beyond that and resolve that we, the people of India, will more deeply internalize our democratic and republican values, put them into practice, and ensure that the people and their welfare remain paramount in every direction and decision of governance.

शहर अमन कमेटी ने 77 व गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षौल्लास के साथ मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच/यूसुफ / 77 वें गणतंत्र दिवस धूम धाम से मनाया इस शुभ अवसर पर शहर अमन कमेटी ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी करुला जाहिद नगर अमन शादी हॉल पर झंडा फहराकर सभी देशवासियों को प्रदेशवासियों को महानगर वासियों को मुबारकबाद दी इस अफसर काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे इरशाद हुसैन संस्थापक एवं अध्यक्ष,अफाक खां, अदिल भाई ,इकबाल असगर भाई,यासीन अख्तर ,मुख्तियार ,अहमद ,शमशाद अहमद ,दानिश कुरैशी,आसिफ ,नासिर राजू जाहिद,एहसान,अमीर हुसैन,इरफान,राजीव शर्मा,राजा राम सैनी,जावेद,फैजान उस्मान जुनेद सैफी आतिफ समीर यामीन भाई शानू शफीक सुलेमान इसरार भाई मोबीन अहमद रहमान चंदा भाई शमी जुबेर भाई साहिल

अंसार इंटर कॉलेज में 77 व गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षौल्लास के साथ मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/यूसुफ / दिनांक 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस की 77 वी वर्षगड को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय में प्रधानाचार्य श्री मेराज अनवर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तत्पश्चात विद्यालय में सास्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका संचालन विद्यालय के अद्यापक श्री जावेद अनवर एवं श्री मुख्तार हुसैन ने किया, जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षक/कमचारियों ने प्रतिभाग किया। श्री गुलरेज़ वारिस ने देशभक्ति गीत सुनाया। विद्यालय के अध्यापक श्री महबूब अहम्मद श्री नफीस उर रहमान, श्री शाकिर खान, गौतम यादव, श्री आसिफ इलाही, श्री फहीम अहमद, ने भी गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री हाशिम मलिक, श्री मौ0 ज़या उर रहमान श्री अशफाक हुसैन, श्री मुहम्मद अली खान, श्री सिकन्दर आजम, श्री स्वालेह अहमद, श्रीमती फरहा दीबा श्रीमती नूरी परवीन, श्रीमती शाइस्ता नासिर, श्रीमती महरीन, कु0 इलमा खान, कु0 इलमा जहांगीर, कुसता परवीन, कु0 सना, कु0 हुमैरा इकबाल, श्रीमती रूबीना परवीन, श्री मिर्जा जीशान बेग, श्रीमश्री शहनाज़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री मेराज अनवर ने गणतंत्र दिवस के महत्व स्वं भारत का संविधान विषय पर विस्तार से बताया, तत्पश्चात विद्यालय के छात्रों को मिष्ठान वितरण किया गया ।

एडम एंड ईवज स्कूल में 77 व गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षौल्लास से मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/सिकंदर राजा / दिनांक 26/01/2026 को %एडम एंड ईव्ज़ स्कूल%, पीरजादा रोड, मुरादाबाद में 77वाँ गणतंत्र दिवस समारोह बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को तिरंगे ड्रांडों एवं फूलों से भव्य रूप से सजाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ नवाज़ देवबंदी साहब ?द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके पश्चात राष्ट्रीय गान गाया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ नवाज़ देवबंदी साहब एवं गेस्ट ऑफ ऑनर फ़ारूक अहमद निज़ामी साहब ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से छात्रों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में वि?द्यालय प्रबंधक मौ0 मोहसिन साहब, चेयरमैन साद उर रहमान साहब, प्रधानाचार्या रफत उस्मान रिज़वी साहिबा उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन कक्षा 8 की छात्राओं अनाबिया और अरीबा मुश्ताक़ द्वारा अत्यंत आत्मविश्वास के साथ किया गया। समारोह की शुरुआत सलाम पढ़ कर की गई, इसके पश्चात कक्षा 4 से 9 तक की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत अनुशासित March Past से हुई. जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति से परिपूर्ण कर दिया। इसके पश्चात कक्षा । एवं 2 के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत Patriotic Mashup ने सभी का मन मोह लिया। इसी क्रम में कक्षा 3 एवं 4 के छात्र-छात्राओं ने जोश और ऊर्जा से भरपूर Patriotic Action Song (Salaam India) प्रस्तुत किया। इसके बाद कक्षा 8 एवं 9 की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण देशभक्ति Patriotic Song (Satyameva Jayate) ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में कक्षा 5 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने प्रेरणादायक Patriotic Skit (Wings of Will) प्रस्तुत की, जिसमें राष्ट्र निर्माण, कर्तव्य और संकल्प की भावना को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया।इन सभी शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों को गहराई से प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त कक्षा 9 की छात्राओं-मुबश्शिरा द्वारा English Speech, आफिया अली द्वारा Hindi Speech और जुवेरिया द्वारा rdu Speech प्रस्तुत की गई। जिनमें भारतीय संविधान, लोकतंत्र एवं नागरिक कर्तव्यों पर सारगर्भित विचार रखे गए। साथ-साथ छात्र-छात्राओं ?द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सुंदर प्रस्तुतियों दी गई, जिससे पूरा समारोह अत्यंत आकर्षक एवं स्मरणीय बन गया।

ऑक्स पोर्ट स्कूल में जलसे का आयोजन किया देस के लिए बलिदान देने बालों सदेव याद किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/सिकंदर राजा / जब सात समुद्र पार से आए हुये अंग्रेजों ने हमारे देश पर कब्जा कर लिया और भारतीयों को गुलाम बनाकर देश की संपत्ति को लूटना शुरू कर दिया, तब इस भूमि पर पैदा होने वाले सपूतों ने धर्म से ऊपर उठकर देश की आजादी के लिए बलिदान दिए, विशेष रूप से भारत के विद्वानों और मुसलमानों ने अपने प्यारे देश को ब्रिटिश के कब्जे से मुक्त कराने के लिए एक लम्बे सयम तक अकेले ही महान सेवाएं और महान बलिदान दिए, जिसकी मिसाल पेश करने से दुनिया असमर्थ है। अंग्रेजों के दिल्ली पर मुकम्मल कब्जा कर लेने के बाद, जब शाह अब्दुल अजीज मुहद्दिस देहलवी ने 1803 में फतवा जारी किया कि भारत एक दारूल-हर्ब है, तो विद्वान निडर होकर ब्रिटिश सेनाओं के खिलाफ युद्ध के मैदान में कूद पड़े, जिनकी अंतिम स्वर्ण श्रृंखला जमीयत उलेमा-ए-हिंद के पूर्व अध्यक्षक हजरत शेखुल-इस्लाम मौलाना सय्यद हुसैन अहमद मदनी थे। आजादी का इतिहास गवाह है कि चाहे शामली का मैदान हो या बालाकोट का, उलेमा सादिकपुर का बलिदान हो या दारूल उलूम उलूम देवबंद के महापुरुष का संघर्ष, हर अवसर पर देश की आजादी की लडाई में उलामा ही नेतृत्व करते नजर आएंगे। और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वो नेता, जिन्होंने हर मोर्चे पर अंग्रेजों जैसी ताकत का सामना किया और उसे यहां से निकलने पर मजबूर कर दिया, जिन्होंने देश की आजादी के लिए हिंदू-मुस्लिम एकता का नारा सभी भारतीयों को चाहे वो किसी भी धर्म या मजहब का हो बुलंद किया। उन्होंने समस्त भारतीयों को एक मंच पर रखकर संयुक्त राष्ट्रीयता की नींव रखी और सभी देशवासियों को देश के लिए बलिदान देने की भावना के लिए समर्पित किया, जिसके परिणामस्वरूप आज हम एक स्वतंत्र देश में सांस ले रहे हैं। यह स्वतंत्रता बडी कुर्बानियों से हासिल हुवी है. हमें इसकी मूल्यों को पहचानना चाहिए। जो लोग सांप्रदायिता की बात करते हैं और हमारे देश को अशांति और गृहयुद्ध का शिकार बनाना चाहते हैं, वे वास्तव में आजादी के लिए मुजाहिदीनों के बलिदान को खारिज कर देश को फिर से गुलामी के दलदल में धकेलाना चाहते हैं, जिनका हमें साहस और हिम्मत से मुकाबला करना है और इस बात को अपने दिल में बेटाना है कि आजादी की एक दिन की जिंदगी गुलामी की सो साला जिंदगी से बेहतर है। इसी के साथ साथ देशवासियों को गले लगाना है, शांति और भाईचारे का संदेश देकर नफरत के पुजारियों को परास्त करना है।

यूपी में पति का बंटवारा: दो बीवियों के बीच बांटा गया शौहर, रविवार को साप्ताहिक अवकाश; पंचायत ने दी ये छूट

यूपी के रामपुर में पति को लेकर पत्नियों के झगड़े को पंचायत ने सुलझा दिया है। पति का पत्नियों ने बंटवारा किया है। सप्ताह में 3-3 दिन साथ रहेंगी। विशेष परिस्थितियों में एक दिन आगे पीछे होने की भी छूट होगी।यूपी के रामपुर जिले के अजीमनगर थाना क्षेत्र में दोनों पत्नियों के बीच पति का बंटवारा हो गया है। सप्ताह में तीन -तीन दिन पति दोनों पत्नियों के पास रहेगा। जबकि रविवार को पति दोनों पत्नियों से दूर एकांत में रहेगा। पंचायत ने विशेष परिस्थितियों में एक दिन आगे पीछे करने की भी छूट दी है। दोनों पत्नियों में पति का बंटवारा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला अजीमनगर थाना क्षेत्र के नगलिया आकिल गांव का है।गांव निवासी एक युवक की दो पत्नियों हैं। एक पत्नी अरेंज मैरिज से है जबकि दूसरी पत्नी लव मैरिज से है। दोनों पत्नियों के बीच पति को लेकर आए दिन झगड़ा होता रहता था। पत्नियों के आपसी झगड़े के कारण पति काफी परेशान रहता था। दोनों पत्नियां पति को अपने पास रखने की जिद करती थी। जिसके चलते दोनों पत्नियों के बीच खूब झगड़ा होता था। मामला पुलिस तक पहुंचा तो गांव के सम्मानित लोगों ने आपसी समझौता कराने की बात कह दी। समझौता करने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई- पुलिस के दबाव के चलते गांव के कुछ लोग समझौता कराने को सहमत हो गए। दोनों पत्नियों का समझौता करने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई। पंचायत में कुछ रिश्तेदारों के अलावा सम्मानित व्यक्ति भी शामिल हुए। दोनों पत्नियों ने पति को लेकर अपनी डिमांड रखी पंचायत के दौरान दोनों पत्नियों ने पति को लेकर अपनी डिमांड रखी। दोनों पत्नियों एवं पति की सुनने के बाद पंचों ने समझौता करा दिया। समझौते के मुताबिक पहली पत्नी के साथ पति सप्ताह में तीन दिन सोमवार, मंगलवार और बुधवार को रहेगा। जबकि दूसरी पत्नी के साथ गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को रहेगा। विशेष परिस्थितियों में एक दिन आगे पीछे भी किया जा सकता है रविवार को पति दोनों पत्नियों से दूर एकांत में रहेगा। समझौते के मुताबिक, विशेष परिस्थितियों में एक दिन आगे पीछे भी किया जा सकता है। पंचायत के दौरान हुए समझौते पर दोनों पत्नियों एवं पति के हस्ताक्षर लिए गए हैं। दोनों पत्नियों के साथ दिनों का बंटवारा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ

संक्षिप्त समाचार

पैगंबर के अपमान का बदला लेना चाहता था दर्जी, फोन में जिहाद भड़काने वाले वीडियो; फैजान पर मां ने कही बात

गुजरात एसटीएफ ने नरपतनगर रामपुर निवासी फैजान शेख को गिरफ्तार किया है। उस पर अलकायदा जेश ए मोहम्मद का आतंकी होने का आरोप है। रामपुर पुलिस को सूचना मिलते ही खुफिया विभाग की टीम कोतवाली पुलिस के साथ मंगलवार को फैजान शेख के घर पहुंची। इसके बाद फैजान की मां और आसपास के लोगों से पूछताछ की।गुजरात एटीएस ने आतंक की साजिश को नाकाम करते हुए नवसारी जिले से 22 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के रामपुर के गांव नरपतनगर दूंदावाला निवासी फैजान शेख के रूप में हुई है।वह पैगंबर मोहम्मद के कथित अपमान का बदला लेने के लिए उत्तर प्रदेश में कुछ लोगों की हत्या की साजिश रच रहा था। उसके पास से एक पिस्टल, कारतूस के अलावा जैश-ए-मोहम्मद और अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों के समर्थन करने वाला साहित्य बरामद हुआ है।एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि फैजान गुजरात के नवसारी जिले के चारपुल इलाके में रह रहा था और दर्जी का काम करता था। वह उन लोगों को मारने की योजना बना रहा था, जिन पर पैगंबर मोहम्मद के अपमान का आरोप था।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैजान और एक वांछित आरोपी मोहम्मद अबू बकर ने मिलकर एक विशेष समुदाय के खिलाफ डर और आतंक फैलाने की साजिश रची थी। दोनों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत से अलग करने के लिए जिहाद और सशस्त्र विद्रोह भड़काने की सोच रखते थे। फैजान पिछले छह-सात महीनों से अबू बकर के संपर्क में था और व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा था। फैजान के मोबाइल से मिली 29 पन्नों की संदिग्ध साहित्य सामग्री जांच में फैजान के मोबाइल फोन से 29 पन्नों की संदिग्ध साहित्य सामग्री, जिहाद भड़काने वाले वीडियो, आतंकी प्रचार ऑडियो और ऐसे फोटो मिले हैं जिनमें कुछ लोगों को निशाना बनाकर उनके चेहरे घेरकर दिखाए गए थे। एक तस्वीर में लाल किले पर तिरंगे की जगह काला झंडा दिखाया गया था। एटीएस ने बताया कि फैजान ने छह महीने पहले उत्तर प्रदेश में एक अज्ञात व्यक्ति से अवैध हथियार खरीदा था। उसे खुफिया इनपुट के आधार पर पकड़ा गया। उसके खिलाफ यूएपीए, बीएनएस और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मां बोली मेरा बेटा निर्दोष, गुजरात काम करने गया था गुजरात एसटीएफ ने नरपतनगर रामपुर निवासी फैजान शेख को गिरफ्तार किया है। उस पर अलकायदा जेश ए मोहम्मद का आतंकी होने का आरोप है। रामपुर पुलिस को सूचना मिलते ही खुफिया विभाग की टीम कोतवाली पुलिस के साथ मंगलवार को फैजान शेख के घर पहुंची। इसके बाद फैजान की मां और आसपास के लोगों से पूछताछ की। फैजान शेख की मां फईम जहां ने बताया कि उनके पति शकील शादी-ब्याह में खाना बनाने का काम करते हैं, जबकि वह भैंस पालन कर दूध बेचकर घर का खर्च चलाती हैं। परिवार के पास करीब ढाई बीघा जमीन है। मेरे चार बच्चे हैं। इसमें तीन लड़के और एक लड़की है। सबसे बड़ा बेटा अनस, जो दुबई में हेयर सैलून में काम करता है, इसके अलावा बेटी सानिया, तथा बेटे फैजान और अयान हैं। बेटा फैजान दूसरे नंबर का बेटा है। सबसे छोटा अयान है, वह कक्षा पांच में पढ़ता है। बेटी घर मैं ही रहती है। वह गुजरात में कोट-पैंट बनाने वाली कंपनी में दो वर्ष से सिलाई का काम करता है। फैजान करीब आठ महीने पहले मुहर्रम पर घर आया था और लगभग बीस दिन रुकने के बाद वापस गुजरात चला गया। फैजान की उम्र 17 वर्ष है। रविवार को उनके पास कारखाने के मालिक का फोन आया था। उसने बताया कि पुलिस ने कारखाने में छापा मारा है। और छापे के बाद सभी कारीगरों को पुलिस अपने साथ ले गई है।दूसरे दिन फिर कॉल आया कि फैजान को छोड़कर सभी करीगरों को पुलिस ने छोड़ दिया है। फैजान की मां ने बताया कि मंगलवार दोपहर एक बजे गुजरात पुलिस ने फैजान से बात कराई थी। फैजान ने उनसे कहा कि घबराने की बात नहीं है। मैं ठीक हूं, जल्दी बाहर आ जाऊंगा। फईम जहां ने कहा कि उनका बेटा बहुत सीधा है। उसका इन सबसे कोई लेना देना नहीं है। उसने कहा कि इसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि जिले की खुफिया विभाग और पुलिस जांच कर रही है। परिवार के बारे में पता लगाया जा रहा है। गुजरात पुलिस की ओर से अभी तक कोई इनपुट नहीं मिला है। मुख्यालय से कोई भी जानकारी मांगी जाएगी तो उन्हें उपलब्ध कराई जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बैंक कर्मचारियों की हड़ताल नारेबाजी कर उठाई फाइव डे वर्किंग की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। पांच दिन काम की मांग को लेकर बैंक कर्मचारियों ने मंगलवार को देशव्यापी हड़ताल की। बरेली जिले में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक्स यूनियन के आह्वान पर बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों एसबीआई की मुख्य शाखा पर जोरदार प्रदर्शन किया। अध्यक्ष पीके माहेश्वरी ने कहा कि लंबे समय से बैंक कर्मचारी फाइव डे वर्किंग की मांग कर रहे हैं। संगठन और सरकार के बीच कई बार वार्ता होने के बाद भी जब कर्मचारियों के हित में सही कदम नहीं उठाया गया तो बैंक कर्मचारियों को हड़ताल के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि देशभर के कई सरकारी सेक्टर में फाइव डे वर्किंग की व्यवस्था है। बैंक कर्मचारियों की ये मांग नहीं मानी जा रही हैं। बैंकों में नई भर्तियां ना होने के चलते कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, अस्थाई कर्मचारी भर्ती होने से काम की गुणवत्ता खराब हो रही है। सरकार स्थाई भर्ती नहीं कर रही। देश भर कई सेक्टर में यही हाल है, अगर ऐसा ही रहा तो देश भर में ठेका प्रथा शुरू हो जाएगी। एसबीआई की मुख्य शाखा पर किया प्रदर्शन स्टेशन रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य शाखा के बाहर सैकड़ों बैंककर्मी जुटे और जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान तमाम संगठनों के नेताओं ने बैंक कर्मचारियों के हित में अपनी बातें रखी। कहा कि यह समय एकजुटता, अनुशासन और संघर्षशील संकल्प को प्रदर्शित करने का है। साथियों की सक्रिय भागीदारी से ही संगठन एवं आंदोलन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

डीएम ने किया फोटो जर्नलिस्ट्स सोसाइटी के कैलेंडर का विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा /बरेली। फोटो जर्नलिस्ट्स सोसाइटी ऑफ बरेली के 19वा स्थापना दिवस पर जिला अधिकारी कार्यालय पर कैलेंडर का विमोचन जिलाधिकारी अविनाश कुमार सिंह के कर कमलो द्वारा किया गयाद्य जिसमें हरदीप सिंह टोनी संरक्षक, वरिष्ठ समाजसेवी अजय राज शर्मा, जिला सूचना अधिकारी नीतू कन्नौजिया (सलाहकार), कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र सिंह जी ने कियाद्य अजय कुमार मिश्रा अध्यक्ष, भानु प्रताप भारद्वाज सचिव, अतुल गुप्ता कोषाध्यक्ष, विवेक मिश्रा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पुत्तन सक्सेना मंत्री, अशोक गुप्ता मीडिया प्रभारी,सुनील सिंह,पंकज शर्मा,सुरेश रोचानी, अरविंदर सिंह मिककी, पंकज शर्मा, अब्दुल शाहीद, शुभम सिंह, सुयोग्य सिंह, तरुण सूरी, ताहिर वेग, अशोक शर्मा लोटा जी, विजय सिंह आदि पत्रकार मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने दिया इस्तीफा

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने सवर्ण समाज और ब्राह्मण समाज के कथित अपमान से आहत होकर अपने पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उनका यह कदम प्रशासनिक हलकों में व्यापक चर्चा का विषय बन गया है और साथ ही UGC Regulations 2026 तथा हालिया धार्मिक-सामाजिक घटनाओं को लेकर चल रहे असंतोष को भी उजागर करता है। अपने विस्तृत त्यागपत्र में अलंकार अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया है कि University Grants Commission द्वारा प्रस्तावित और लागू किए जा रहे GC Regulations w®w{ भारतीय शिक्षा व्यवस्था की पारंपरिक गुरुकुल परंपरा, सनातन संस्कृति और सामाजिक संतुलन के विपरीत हैं। उन्होंने लिखा है कि इन नियमों के माध्यम से शिक्षा को धीरे-धीरे कॉरपोरेट मॉडल में बदला जा रहा है, जहां ज्ञान, संस्कार और सेवा की भावना के स्थान पर बाजार और प्रबंधन आधारित सोच को प्राथमिकता दी जा रही है। इस्तीफे की एक अहम वजह प्रयागराज में माघ मेले के दौरान घटी वह घटना भी बताई गई है, जिसमें ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज के ब्राह्मण बटुक शिष्यों के साथ कथित रूप से चोटी और शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने का आरोप सामने आया। अलंकार अग्निहोत्री ने इस घटना को सनातन परंपरा, संत समाज और ब्राह्मण समाज के आत्मसम्मान पर सीधा हमला बताया है। उनका कहना है कि जब संतों और बटुकों तक के साथ इस प्रकार का व्यवहार हो और प्रशासन मूकदर्शक बना रहे, तो ऐसी व्यवस्था में बने रहना आत्मग्लानि का कारण बनता है। इस्तीफा देने से पहले अलंकार अग्निहोत्री ने सार्वजनिक रूप से विरोध दर्ज कराते हुए तख्ती के साथ प्रदर्शन भी किया। तख्ती पर "UGC Rollback", "काला कानून वापस लो" और शंकराचार्य और संतों का अपमान नहीं सहेंगे जैसे नारे लिखे थे। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी का इस तरह खुले तौर पर सड़क पर उतरकर विरोध करना अपने आप में असाधारण घटना मानी जा रही है। अपने पत्र में उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि वे केंद्र और राज्य सरकार की उन नीतियों से सहमत नहीं हैं, जो समाज को वर्गों में बांटने और पारंपरिक मूल्यों को कमजोर करने का काम करती हैं। उन्होंने लिखा है कि सरकार किसी भी राजनीतिक दल की हो, यदि उसकी नीतियां समाज, आस्था और संस्कृति के खिलाफ जाती हैं, तो उनका विरोध करना एक जागरूक नागरिक और अधिकारी का कर्तव्य है। गणतंत्र दिवस के दिन दिया गया यह इस्तीफा केवल एक प्रशासनिक पद छोड़ने की औपचारिक कार्रवाई भर नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे व्यवस्था के भीतर से उठी एक वैचारिक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। बरेली से शुरू हुई यह घटना अब राज्य और देश स्तर पर GC Regulations 2026, धार्मिक स्वतंत्रता और प्रशासनिक नैतिकता को लेकर नई बहस को जन्म दे सकती है।

कुर्मी क्षत्रिय सभा ने गणतंत्र दिवस पर ध्वज फहराया

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली । 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुर्मी क्षत्रिय सभा की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था व्यक्त की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुर्मी क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष के.पी. सेन गंगवार ने की, जबकि संचालन रघुवीर सिंह गंगवार ने किया। वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया। सभा अध्यक्ष के.पी. सेन गंगवार ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान में निहित अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही युवाओं से आह्वान किया कि वे देश सेवा और संविधान के सम्मान के लिए आगे आएं। कार्यक्रम में सभा के महामंत्री एवं व्यवस्थापक आर.सी. लाल, ऑडिटर एडवोकेट मनोज बाबू गंगवार, मीडिया प्रभारी देश दीपक गंगवार उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य अरविंद पटेल, विद्याराम गंगवार, खेमेन्द्र गंगवार, उग्रसेन गंगवार, युधिष्ठिर प्रसाद गंगवार, प्रमोद गंगवार, भद्र पाल गंगवार सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

कानून-व्यवस्था बेपटरी, दुर्गा मंदिर में तीसरी चोरी; पुलिस गश्त पूरी तरह फेल

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविंद कुमार / पीलीभीत / जहानाबाद थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति कितनी चरमराई हुई है, इसका जीता-जागता उदाहरण नेशनल हाईवे के किनारे स्थित दुर्गा मंदिर में हुई चोरी की ताजा वारदात है। अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर दान पात्र चोरी कर लिया और पुलिस गश्त को इसकी भनक तक नहीं लगी। इस घटना ने पुलिस प्रशासन के दावों की पोल खोलकर रख दी है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह चोरी कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं है। बीते छह महीनों में दुर्गा मंदिर में यह तीसरी चोरी है, लेकिन अब तक न तो एक भी चोर पकड़ा गया और न ही मंदिर की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम उठाया गया। इससे साफ जाहिर होता है कि पुलिस की लापरवाही के चलते चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। मंदिर के पुजारी रूपलाल दास ने बताया कि चोरी की जानकारी तत्काल जहानाबाद पुलिस को दी गई थी, लेकिन घंटों बीत जाने के बाद भी न तो मौके पर कोई वरिष्ठ अधिकारी पहुंचा और न ही कोई प्रभावी कार्रवाई शुरू की गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हर बार की तरह इस बार भी मामला केवल कागज़ों में दर्ज कर इतिश्री कर ली जाएगी। स्थानीय नागरिकों में खासा आक्रोश है। उनका कहना है कि मंदिर के ठीक सामने देशी शराब का ठेका संचालित है, जहां दिन ढलते ही असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। इसके बावजूद पुलिस आंख मूंदे बैठी है। सवाल यह उठता है कि जब मंदिर के सामने ही शराब का ठेका है और नेशनल हाईवे जैसा संवेदनशील इलाका है, तो फिर चोरी की घटनाएं कैसे बार-बार हो रही हैं? श्रद्धालुओं का आरोप है कि अगर समय रहते पुलिस ने पिछली चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लिया होता, तो आज चोरों की इतनी हिम्मत नहीं होती। लगातार हो रही चोरी से न सिर्फ धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं, बल्कि इलाके में भय का माहौल भी बन गया है। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही चोरों की गिरफ्तारी नहीं हुई और मंदिर की सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम नहीं किए गए, तो वे थाना स्तर से लेकर उच्चाधिकारियों तक आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या पीलीभीत पुलिस इस बार भी मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगी, या फिर चोरों पर शिकंजा कसकर जनता का भरोसा बहाल करेगी?

पीलीभीत टाइगर रिज़र्व को राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार

क्यूँ न लिखूँ सच/अरविंद कुमार / पीलीभीत / पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित राज्य-स्तरीय कार्यक्रम में पीलीभीत टाइगर रिज़र्व (पीटीआर) को समुदाय-आधारित संरक्षण एवं सतत पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दो प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए। यह उपलब्धि पीलीभीत टाइगर रिज़र्व एवं उससे जुड़े स्थानीय समुदायों के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम के अंतर्गत सप्त सरोवर क्षेत्र, पीलीभीत टाइगर रिज़र्व की निवासी सुश्री अनीता पांडे को ग्रामीण पर्यटन श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सफलता की कहानी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके द्वारा संचालित कैंटीन स्थानीय आजीविका सृजन, महिला सशक्तिकरण तथा सतत रोजगार का प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसी अवसर पर सेल्हा गाँव, पीलीभीत टाइगर रिज़र्व के श्री देव व्रत सिकदर को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सर्वश्रेष्ठ होमस्टे पुरस्कार प्रदान किया गया। उनका होमस्टे मॉडल स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से इको-टूरिज़्म को बढ़ावा देने के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण को भी सुदृढ़ करता है। इन पुरस्कारों से यह सिद्ध होता है कि संरक्षण, पर्यटन और स्थानीय समुदाय के समन्वय से सतत विकास के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सकता है। पीलीभीत टाइगर रिज़र्व प्रशासन द्वारा पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए इसे पूरे क्ष्ज्ञक्र परिवार की सामूहिक उपलब्धि बताया गया। पीलीभीत टाइगर रिज़र्व भविष्य में भी समुदाय-आधारित संरक्षण एवं सतत पर्यटन को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है।

राम जनम यादव को सिटी मजिस्ट्रेट का मिला प्रभार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा शासकीय कार्यहित में श राम जनम यादव, अपर उप जिलाधिकारी, सदर बरेली को अपने कार्यों के साथ प्रभारी नगर मजिस्ट्रेट, बरेली के पदीय दायित्वों का भी निर्वहन अग्रिम आदेशों तक सम्पादित किए जाने हेतु आदेशित किया गया है ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दो दिन बाद खुली ओपीडी तो मरीजों की लगी कतार, बुखार-खांसी के बढ़ गए मरीज

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला अस्पताल में मंगलवार को मरीजों की सुबह से ही काफी भीड़ रही। पर्चा काउंटर से लेकर दवा काउंटर तक मरीजों की लंबी कतार लगी रही। रविवार और गणतंत्र दिवस पर सार्वजनिक अवकाश होने की वजह से दो दिन बाद मंगलवार को ओपीडी खुलने पर सुबह से ही लोग पर्चा बनवाने जुट गए। ओपीडी तक पर्चा काउंटर की लाइन लगी रही। मरीजों में सर्दी, खांसी, बुखार के साथ ही पेट और सिर दर्द के मरीज अधिक रहे।

गला दबाकर युवक की हत्या : पत्नी पर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र की गिरजाशंकर कॉलोनी निवासी जितेंद्र (33 वर्ष) का शव सोमवार को सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। इसकी सूचना पाकर इज्जतनगर थाना पुलिस मौके पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। परिवार ने जितेंद्र की पत्नी ज्योति पर हत्या का आरोप लगाया है। इस पर पुलिस जांच कर रही है। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र की गिरजाशंकर कॉलोनी निवासी जितेंद्र (33 वर्ष) का शव सोमवार को सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। इसकी सूचना पाकर इज्जतनगर थाना पुलिस मौके पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। परिवार ने जितेंद्र की पत्नी ज्योति पर हत्या का आरोप लगाया है। इस पर पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक जितेंद्र का प्रेम विवाह 25 नवंबर 2025 को ज्योति प्रजापति निवासी दुर्गा नगर बारादरी से हुआ था। शुरू में मामला आत्महत्या का लग रहा था लेकिन सोमवार शाम पोस्टमॉर्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इससे पुलिस से लेकर परिवारवाले तक हैरत में पड़ गए। थाना बारादरी के चक अब्बास नगर में सोमवार सुबह आत्महत्या का मामला सामने आया। याकूब के घर में किराये पर दो माह से शारिक नाम का युवक अपनी पत्नी 30 वर्षीय मुस्कान और 12 साल के बेटे शाहरुख के साथ रह रहा था। मकान मालिक याकूब की सूचना पर बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडेय पहुंचे। बताया गया कि किसी बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हो गया। इससे विवाद से नाराज होकर सारिक कहीं चला गया। रात में मुस्कान ने छत पर कुंडे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। फिलहाल कोई आरोप किसी ने नहीं लगाया है।

गुड़िया बाग मदरसा इस्लामिया 26 जनवरी को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/यूसुफ / मदरसा इस्लामिया गुइयाँ बाग़ मैं 26 जनवरी यौमे जमहुरिया पर शान बान के साथ प्रोग्राम अयोजित किया गया संरक्षक आलम खान ने झण्डा फेहराया अध्यक्ष शाह आलम और उप अध्यक्ष आली जाह ने शिरकत की बच्चों ने यौमे जमहुरिया पर गीत और स्पीच के प्रोग्राम पेश किये आखिर में प्रिंसिपल मैडम रुबीना खलील ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया और यौमे जमहुरिया पर तकरीर की बच्चों और उपस्थित लोगों को लडडू बांटे गए लड्डू पाके बच्चों के चेहरे खिल उठे

यूजीसी के नए नियम के खिलाफ वाराणसी में विरोध, काशी विद्यापीठ में छात्रों का प्रदर्शन जारी

यूजीसी नियमावली का वाराणसी में जमकर विरोध किया जा रहा है। बुधवार को काशी विद्यापीठ के छात्रों ने जमकर नारेबाजी की।यूजीसी के नए नियम को लेकर बुधवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र उग्र हो गए। शुरू हो गया। छात्रों ने ताला लगाने की। यूजीसी रोल-बैक के नारे के हिंदू दल संगठन ने यूजीसी के संगठन के अध्यक्ष रोशन पांडेय ने खून से पत्र लिखकर प्रधानमंत्री को चूड़ियां भेजकर इस्तीफा देने सवर्णों को मिटाने और उनका गला आई है। यह हम सवर्ण जाति है। बीएचयू से कचहरी तक नियमावली पर मंगलवार को संगठनों से जुड़े लोगों ने विरोध के फैसले के विरोध में नारेबाजी की पुलिस से भी नोकझोंक हुई। पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया के विरोध में जिला मुख्यालय पर इसे भेदभावपूर्ण बताया। कहा कि के छात्रों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज होने का खतरा बढ़ जाएगा। अगर केंद्र सरकार और यूजीसी इन प्रावधानों को वापस नहीं लेती है या संशोधन नहीं करती है तो दिल्ली में आंदोलन किया जाएगा।

बीएचयू कैंपस में छात्रों ने यूजीसी की ओर से लागू किए गए प्रमोशन ऑफ इक्विटी नियम के विरोध में प्रदर्शन किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय पर प्रदर्शन कर नियम को काला कानून बताते हुए वापस लेने की मांग की गई। हिमांशु राय, आशुतोष शुक्ला ने चेतावनी दी कि नया नियम वापस नहीं लिया गया तो उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। कचहरी पर केसरिया भारत संस्था से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन किया। उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई। भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री एडवोकेट प्रिंस चौबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई है। प्रिंस चौबे ने कहा है कि नए नियमों को लेकर आमजन, छात्र और शिक्षक वर्ग में भय है।

सुबह से आठ संकायों में छात्रों का विरोध प्रदर्शन के बाद जुलूस निकालते हुए जमकर नारेबाजी साथ छात्रों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया।राष्ट्रीय नए नियमों का किया विरोध - राष्ट्रीय हिंदू दल यूजीसी के नए नियम का विरोध करते हुए अपने को भेजा है। इसके साथ ही उन्होंने सवर्ण सांसदों की बात भी कही। रोशन पांडेय ने कहा कि भाजपा घोंटने के लिए यूजीसी के नए नियम को लेकर ब्राह्मण, भुमिहार, राजपूतों पर सर्जिकल स्ट्राइक विरोध, नारेबाजी- उधर, यूजीसी की नई बीएचयू कैंपस से लेकर कचहरी तक छात्रों, विभिन्न कर इसे सवर्णों के हित के विपरीत बताया। यूजीसी कर नये नियम को रद करने की मांग की। लोगों चेतावनी दी कि अगर यूजीसी और सरकार ने इस तो आंदोलन तेज किया जाएगा। यूजीसी नियमावली प्रदर्शन कर रहे सवर्ण समाज के पदाधिकारियों ने इस तरह के नियम के लागू होने से सामान्य वर्ग

लुटेरी दुल्हनों से पांच दूल्हों का बजवाया बैंड, नूरजहां ऐसे बनाती थी कुंवारों को निशाना; एक दुल्हन पकड़ी

यूपी के संभल जिले में लुटेरी दुल्हनों से पांच दूल्हों का बैंड बजवाने वाली को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पति को भी दबोच लिया है। एक दुल्हन भी पकड़ में आई है। लुटेरी दुल्हन शादी होते ही जेवर-नकदी लेकर भाग जाती थीं।संभल के चंदौसी थाना इलाके के पांच अविवाहितों को फंसाकर फर्जी दुल्हन के जरिये घरों से जेवर-नकदी बटोरकर गायब होने वाले गिरोह की सरगना और उसके पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घर में दुल्हन बनकर दाखिल होने के

बाद लूट करने वाली एक महिला भी गिरफ्त में आई हैपुलिस का मानना है कि यह गिरोह चंदौसी के अलावा कुछ और इलाकों में भी लुटेरी दुल्हनों से वारदात करा चुका है। जांच में सभी मामलों का पर्दाफाश किया जाएगा। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया। पुलिस की गिरफ्त में आई काजल उर्फ नूरजहां खातून लुटेरी दुल्हनों की सरगना है। पश्चिम बंगाल के थाना लाल बाजार क्षेत्र की रहने वाली नूरजहां नाम बदलकर चंदौसी क्षेत्र में रह रही थी। हिंदू नाम काजल बताकर कुछ साल पहले उसने बदायूं के बिनावर थाना क्षेत्र के ग्राम विलहत निवासी नरेशपाल के पुत्र राजीव से शादी कर ली थी।पतरौआ का राजू भी इस गिरोह का शिकार हुआ था। संभल के एसपी केके विश्नोई ने बताया कि 21 जनवरी को पतरौआ में शादी के दस दिन बाद ही दुल्हन घर से भागने के प्रयास में थी तो राजू ने उसे पकड़कर पुलिस को राजू भी इस गिरोह का शिकार हुआ था। सौंप दिया।पतरौआ का 21 जनवरी को पतरौआ में शादी के दस संभल के एसपी केके विश्नोई ने बताया कि में थी तो राजू ने उसे पकड़कर पुलिस को दिन बाद ही दुल्हन घर से भागने के प्रयास बड़ा राज- पुलिस ने पकड़ में आई पूजा सौंप दिया।फर्जी दुल्हन से पूछताछ में खुला से पूछताछ की और इससे मिले सुराग से गिरोह की सरगना नूरजहां और उसके पति राजीव तक पहुंच गई। गिरफ्तार की गई पूजा उर्फ आयशा खातून नामक इस फर्जी दुल्हन पति द्वारा पकड़ी गई पूजा उर्फ आयशा खातून इसी गांव के एक और शख्स के मुरादाबाद निवासी रिश्तेदार को भी ठग चुकी थी।एसपी ने बताया कि सरगना नूरजहां उन लोगों को निशाना बनाती थी, जिनकी शादी न हो रही हो। उसने पतरौआ के राजू के अलावा चार और घरों में भी इसी तरह की वारदातें कराईं। इन सभी से शादी कराने के नाम पर भी मोटी रकम वसूली गई, जबकि घरों में दुल्हन बनकर पहुंचीं महिलाएं शादी के कुछ दिन बाद ही मौका देखकर लाखों के जेवर-नकदी समेत गायब हो जाती थीं। लुटेरी दुल्हनों के पांच कांडों ने खड़े किए कान- पुलिस ने बताया कि सिर्फ चंदौसी कोतवाली क्षेत्र में ही इस गिरोह ने लुटेरी दुल्हनों के जरिये पांच घरों को लाखों का चूना लगाया है। जांच और पूछताछ में पता चलेगा कि कौन-कौन से इलाकों में कितने और लोग इनके झांसे में आकर अपना सबकुछ गंवा चुके हैं। डेढ़ महीने में चंदौसी इलाके में पांच घटनाओं से पुलिस को गिरोह का अंदाजा लग गया और इसके बाद गिरफ्तारी के लिए सुरागरशी शुरू कर दी गई थी। चंदौसी क्षेत्र की पांच शादियों में से चार पतरौआ गांव में कराई गई थीं।50 से 75 हजार लेकर कराती थी शादी पुलिस गिरफ्त में आई महिला नूरजहां उर्फ काजल 50 से 75 हजार रुपये लेकर उन अविवाहितों को शादी के झांसे में फंसाती थी जिनके विवाह का सपना पूरा नहीं होता है। पतरौआ गांव के भोला की शादी आरती नामक युवती से कराने के लिए काजल ने 55 हजार रुपये लिए थे, जबकि 55 हजार रुपये पूजा उर्फ आयशा खातून से शादी कराने के पतरौआ निवासी राजू से लिए गए थे।इसी तरह परमेश नामक युवक की शादी एक अन्य पूजा नामक युवती से कराने के 75 हजार रुपये लिए गए थे। मुरादाबाद के मोनू मिश्रा से भी शादी कराने के 70 हजार रुपये काजल ने लिए थे। पुलिस के अनुसार पता चला है कि सभी लुटेरी दुल्हनें पहले से शादीशुदा हैं और बच्चों की मां भी हैं। महिलाओं के फर्जी आधार कार्ड बनवाते थे- अविवाहितों की शादी कराने वाली नूरजहां खातून उर्फ काजल के गिरोह की जिन लुटेरी दुल्हनों की जानकारी मिली है, वे मुस्लिम हैं। नूरजहां उनका धर्मांतरण कराकर मुस्लिम से हिंदू नाम देकर मिलवाती थी। साइबर कैफे से इनके हिंदू नामों के आधार कार्ड भी तैयार कराए जाते थे। नूरजहां ने खुद बिनावर (बदायूं) के जिस राजीव से शादी की थी तो अपना भी हिंदू नाम (काजल) कर लिया था।पुलिस बदायूं के उस साइबर कैफे संचालक की भी तलाश कर रही है, जो इनके आधार कार्ड तैयार कराता था। गिरफ्त में आई दोनों महिलाओं और राजीव के मोबाइल फोन कब्जे में लेकर डाटा के जरिये गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। तीनों से एक सोने की चेन, अंगूठी व चांदी की पाजेब के साथ ही 4700 रुपये नकदी भी बरामद की है।

काशी विद्यापीठ में 10 फरवरी से दो जिलों के 30 हजार विद्यार्थियों की परीक्षाएं, जल्द जारी होगा कार्यक्रम

काशी विद्यापीठ में 10 फरवरी से दो जिलों के 30 हजार विद्यार्थियों की परीक्षाएं होंगी। वाराणसी, चंदौली के 150 कॉलेजों के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। पीजी की 10 तो यूजी की 16 फरवरी सेमहात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से सेमेस्टर में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की परीक्षाएं 10 फरवरी चलने वाली परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय की ओर दिया जाएगा।विश्वविद्यालय से पहले वाराणसी के साथ 2025-26 से विश्वविद्यालय में केवल वाराणसी और यूजी, पीजी के पहले सेमेस्टर में पढ़ने वाले 30 हजार से विश्वविद्यालय की ओर से 27 जनवरी को वाराणसी, गई।सहायक कुलसचिव परीक्षा अरिंदम श्रीवास्तव की पाठ्यक्रम की परीक्षा 10 फरवरी से और स्नातक की दोनों जिलों के कॉलेजों में स्नातकोत्तर और व्यावसायिक

बीए, बीएससी, बीए मॉस कम्यूनिकेशन और कुछ स्नातकोत्तर पाठयक्रमों की परीक्षा के लिए 28 जनवरी से ऑनलाइन आवेदन की शुरुआत होगी। कैंपस में पीजी की परीक्षा अंतिम चरण में, 5 फरवरी से यूजी परीक्षा- विश्वविद्यालय परीक्षा विभाग की ओर से मेन कैंपस के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षा तिथि पहले ही जारी की जा चुकी है। इसमें पीजी की परीक्षा अंतिम चरण में हैं। बस एक विषय की परीक्षा होनी बाकी है। परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने बताया कि मेन कैंपस के बीए, बीएससी के छात्र-छात्राओं की परीक्षा 5 फरवरी से शुरू होगी। इसके लिए परीक्षा विभाग की ओर से सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं।काशी विद्यापीठ में छह फरवरी को होगी स्किल डेवलपमेंट की परीक्षा- महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ समाज कार्य विभाग में स्नातक प्रथम/तृतीय सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों एवं छूटे हुए विद्यार्थियों की स्किल डेवलपमेंट एनजीओ मैनेजमेंट एंड वॉलिएंट्री एक्शन की परीक्षा 6 फरवरी को होगी। विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. वंदना सिन्हा ने बताया कि दोपहर 12 बजे से समाज कार्य संकाय के प्रो. राजाराम शास्त्री सभागार में होने वाली परीक्षा में संबंधित स्नातक विद्यार्थियों की उपस्थिति जरूरी है। इसमें शामिल न होने पर दोबारा परीक्षा नहीं कराई जाएगी संबद्ध दो जिलों के महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर प्रथम से शुरू होंगी जबकि स्नातक की परीक्षाएं 16 से कराई जाएगी। 15 दिन तक से तिथि की घोषणा कर दी गई है। इसी सप्ताह परीक्षा कार्यक्रम भी जारी कर ही चंदौली, सोनभद्र, भदोही, मिर्जापुर के करीब 400 कॉलेज जुड़े थे। चंदौली के ही कॉलेज जुड़े हैं। इन दोनों जिलों के करीब 150 कॉलेजों में ज्यादा विद्यार्थी परीक्षाएं कराए जाने की तिथि का इंतजार कर रहे थे। इस बीच चंदौली के कॉलेजों के विद्यार्थियों की परीक्षा की तिथि घोषित कर दी ओर से जारी कार्यक्रम में बताया गया है कि स्नातकोत्तर और व्यावसायिक परीक्षाएं 16 फरवरी से प्रस्तावित हैं। परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने बताया कि पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का परीक्षा फॉर्म भरवाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

विभागीय चूक का दंड कर्मचारी को देना गलत, सहायक अध्यापिका की सेवा समाप्ति का आदेश रद्द

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सरकारी विभागों की चूक के लिए कर्मचारी को दंडित नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने मुरादाबाद में तैनात रहीं सहायक अध्यापिका अनीता रानी की विशेष अपील को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सरकारी विभागों की चूक के लिए कर्मचारी को दंडित नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने मुरादाबाद में तैनात रहीं सहायक अध्यापिका अनीता रानी की विशेष अपील को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने एकल न्यायाधीश व मुरादाबाद के बीएसए की ओर से पारित सेवा समाप्ति के आदेश को रद्द करते हुए याची को सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है। हालांकि, सेवा में न रहने की अवधि का वेतन दिए जाने की मांग को कोर्ट ने नहीं माना है।वर्ष 2008 में याची का चयन विशिष्ट बीटीसी प्रशिक्षण के लिए हुआ था। पांच जून 2012 को प्रशिक्षण पूरा होने के बाद याची ने 2014 में विज्ञापित सहायक अध्यापक भर्ती के तहत आवेदन किया। दो जुलाई 2016 को याची को सहायक अध्यापक नियुक्त किया गया। हालांकि, वर्ष 2017 में यह कहते हुए नोटिस जारी किया गया कि नियुक्ति के समय याची की आयु 50 वर्ष से अधिक थी। इसके आधार पर उनकी नियुक्ति को 2023 में शून्य घोषित कर दिया गया। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। एकल पीठ ने मुरादाबाद बीएसए के आदेश पर मुहर लगा दी।इसके बाद याची ने एकल पीठ और बीएसए के आदेश को खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी। खंडपीठ ने विशेष अपील आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए पाया कि याची ने आवेदन में अपनी सही जन्मतिथि अंकित की थी और किसी तथ्य को छिपाया नहीं था। अदालत ने कहा कि यदि आयु गणना में कोई त्रुटि हुई तो वह नियुक्ति प्राधिकारी की थी, न कि याची की। कोर ने सुप्रीम कोर्ट के विकास प्रताप सिंह और राधेश्याम यादव मामलों का हवाला देते हुए कहा कि बिना धोखाधड़ी के हुई नियुक्ति को लंबे समय बाद निरस्त करना न्यायसंगत नहीं है।

शुभम को माफिया की नजर से बचाया, कवच बना था विकास; कफ सिरप को ऐसे पहुंचाया बांग्लादेश

पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि पूरब से पश्चिम तक विकास सिंह ने ही कफ सिरप तस्करी की पूरी पटकथा लिखी है। उसने शुभम जायसवाल के साथ मिलकर कफ सिरप को बांग्लादेश तक पहुंचाया। कफ सिरप तस्करी का सिंडिकेट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खड़ा करने में विकास सिंह नरवे का सबसे अहम हाथ रहा है। विकास ने ही पूर्वांचल के माफिया को साधा और उनसे शुभम को जोड़ने में भूमिका निभाई। इसका यह असर रहा कि 2022 से 2025 तक किसी भी माफिया ने शुभम जायसवाल की तरफ मुंह उठाकर नहीं देखा। लखनऊ जेल में बंद अमित सिंह टाटा ने एसटीएफ की पूछताछ में यह बताया था कि शुभम से उसकी मुलाकात विकास सिंह नरवे ने ही कराई थी। इसके बाद एसटीएफ से बर्खास्त आलोक सिंह, अमित सिंह टाटा और विकास सिंह की तिकड़ी ने कफ सिरप की खेप बांग्लादेश तक पहुंचाने का काम किया।आजमगढ़ के नरवे निवासी विकास सिंह को कफ सिरप का ऐसा चस्का लगा कि वह जौनपुर में ही अपना स्थायी ठिकाना बना लिया। कोतवाली पुलिस की पूछताछ में यह छनकर सामने आया कि पूरब से पश्चिम तक विकास सिंह ने ही कफ सिरप तस्करी की पूरी पटकथा लिखी है। शुभम के इनर सर्किल में शामिल विकास सिंह ने जौनपुर और आजमगढ़ में कई ड्रग लाइसेंस फर्जी नाम और पते पर भी बनवाए हैं। विकास सिंह नरवे, अमित टाटा, आलोक सिंह, आकाश पाठक समेत अन्य करीबी दुबई में कई बार जश्न मना चुके हैं। शुभम के साथ की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। 100 करोड़ से अधिक कफ सिरप से कमाई करने वाले विकास सिंह नरवे के पीछे अन्य एजेंसियां भी लगी हैं। विकास सिंह पर जौनपुर, आजमगढ़, वाराणसी में आपराधिक प्राथमिकी भी दर्ज है। ब्लॉक प्रमुख का चुनाव लड़ने की फिराक में था विकास- विकास सिंह नरवे की निगाह आगामी पंचायत चुनाव पर थी। वह हिस्ट्रीशीटर प्रदीप सिंह कबूतरा के क्षेत्र पल्हना ब्लॉक को केंद्र बनाकर काम कर रहा था। पल्हना ब्लॉक में विकास सिंह की दखल छह महीने तक तक अच्छी खासी रही। पुलिस के मुताबिक, विकास सिंह ने पिछले दो साल में अकूत संपत्ति अर्जित की है। यही कारण है कि विकास सिंह पर भी प्रवर्तन निदेशालय ने निगरानी बढ़ाई है। 75 हजार के इनामी शुभम को सता रहा था अपनी जान का खतरा पुलिस के मुताबिक, विकास सिंह नरवे और आकाश पाठक की गिरफ्तारी के बाद शुभम जायसवाल की भी गिरफ्तारी हो सकती है। वह अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से कानूनी सलाह ले रहा है। न्यायिक प्रक्रिया चल रही है। शुभम की बहुत पहले गिरफ्तारी हो गई होती लेकिन उसे अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा था। इस वजह से वह भाग निकला है। शुभम सिंह की मां के नाम से खरीदी गई 1.85 करोड़ रुपये की संपत्ति सील कफ सिरप की अवैध खरीद-बिक्री मामले में आरोपी शुभम सिंह की मां नीलम देवी के नाम से खरीदी गई अचल संपत्ति मंगलवार को सील कर दी गई। यह संपत्ति शादियाबाद के मौजा धीरजोत में है। 0.2530 हेक्टेयर भूमि की कीमत 1.85 करोड़ रुपये बताई गई है।

करैरा पुलिस ने अवैध हथियार फैक्ट्री पर मारा छापा, दो आरोपी गिरफ्तार, करीब 2 लाख रुपये के हथियार व सामग्री जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच/शिवपुरी 7 पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में थाना करैरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पर दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी करैरा श्री आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में थाना करैरा पुलिस ने 27 जनवरी 2026 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम पपरेडू में कार्रवाई की। सूचना मिली थी कि सुखदेव रावत अपने डेरा के पास बनी कुटिया में अवैध हथियारों का निर्माण करा रहा है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुखदेव पिता सरमन सिंह रावत (42 वर्ष), निवासी ग्राम पपरेडू बताया। कुटिया की तलाशी के दौरान एक अन्य व्यक्ति हथियार निर्माण करते हुए मिला, जिसने अपना नाम परशुराम झा पिता लल्लू झा (40 वर्ष), निवासी ग्राम बम्होरी सुहागी, चौकी रानीपुर, थाना मऊ, जिला झांसी (उ.प्र.) बताया। मौके से पुलिस ने 12 व 315 बोर के कुल 07 देशी कट्टे, 05 जिंदा कारतूस, 37 खाली खोखे सहित हथियार निर्माण में प्रयुक्त ग्राइंडर, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीन, रॉड, भट्टी पंखा सहित भारी मात्रा में सामग्री जब्त की। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 2 लाख रुपये आंकी गई है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अवैध हथियार निर्माण करना स्वीकार किया। आरोपियों के विरुद्ध थाना करैरा में अपराध क्रमांक 60/26, धारा 25/27, 25(1)(ए), 25(1)(क्क) आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिक कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद छावई, उनि चेतन शर्मा (चौकी प्रभारी सुनारी), सउनि चरण सिंह, प्र.आर. डैनी कुमार, आर. 1165 मत्स्येन्द्र सिंह, आर. 338 हरेंद्र गुर्जर, आर. 965 सुरेंद्र रावत, आर. 895 राधेश्याम सिंह जादौन, आर. 1005 दीपक मल्होत्रा, आर. राघवेन्द्र पाल एवं आर. रामअवतार की सराहनीय भूमिका रही।

बाहर भेजे गए निलंबित अफसर अलंकार अग्निहोत्री समर्थकों में आक्रोश, कार रोकने की कोशिश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर में निजी वाहन से बरेली से बाहर ले जाया गया है। इस दौरान उनके समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। समर्थकों ने अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। लेकिन पुलिस और प्रशासन अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर भेजने में कामयाब रहा। इसके बाद उनके समर्थकों ने रामपुर की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन, नारेबाजी शुरू दी। इससे अग्निहोत्री को सुबह अलंकार निकलकर सरकारी आवास से मीडिया गेट पर आए थे और अरेस्ट होना कर्मियों से खुद को हाउस कहा था कि बताया था। उन्होंने यह भी अंदर ही प्रशासन ने उन्हें आवास के और वह रहने की हिदायत दी है कानून को मानकर अपने आवास में ही रुके। अलंकार ने कहा कि उन्हें उनके आवास से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। पुलिसकर्मियों का कहना है कि आपको बाहर न जाने देने के निर्देश मिले हैं। एडीएम सिटी ने कहा- आरोप निराधार अलंकार अग्निहोत्री के इन आरोपों पर बुधवार को एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने सफाई दी। एडीएम सिटी ने कहा कि निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को हाउस अरेस्ट नहीं किया गया है। अलंकार अग्निहोत्री अभी सरकारी सेवा में हैं और लोकसेवक होने के नाते वह सुरक्षा प्रोटोकॉल के दायरे में है। वह एक आवासीय कॉलोनी में रहते हैं, जहां अन्य अधिकारी भी परिवार के साथ रहते हैं। ऐसे में परिसर की सुरक्षा के मद्देनजर बाहरी लोगों को एक निश्चित सीमा तक ही प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। हाउस अरेस्ट जैसी बात पूरी तरह से निराधार और गलत है। उन्होंने डीएम आवास में 45 मिनट तक बंधक बनाए रखे जाने का आरोप लगाया। हालांकि डीएम ने उनके आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। देर रात अलंकार अग्निहोत्री को निलंबित कर दिया गया था। उन्हें शामली के कलेक्टर ऑफिस से अटैच किया गया है। मामले की जांच मंडलायुक्त बरेली को सौंपी गई है।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार लव कुश बीआईपी ठाकुर की नानी जी का निधन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अलीगढ अकरावाद-लव कुश ठाकुर पत्रकार की नानी ओमवती देवी निवासी जिरौली हीरा सिंह का इलाज के दौरान अस्पताल में निधन हो गया उनकी उम्र 70 वर्ष थी निधन की सूचना पाकर मौके पर आसपास के गांव के लोग इकट्ठे हो गए ओमवती देवी पूरा भरा पूरा परिवार छोड़ कर गई हैं दो योगेंद्र पाल सिंह (आर एस एस) जिला प्रचारक विनोद कुमार लड़के उनकी शादी करके गए तीन लड़की उनकी शादी करके गए हैं 2 नाती आस-पास के गांव में शोक व्याप्त है दाह संस्कार में शामिल हुए जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी जिला अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र चौधरी संचालक शिव महिमा हॉस्पिटल युवा जिला अध्यक्ष अनुज ठाकुर कमल ठाकुर उपाध्यक्ष कन्हैया सिंह मंडल उपाध्यक्ष भाजपा ठाकुर बलवीर सिंह जिला सचिव प्रशांत ठाकुर जिला उपाध्यक्ष ठाकुर मनोज प्रधान ठाकुर संदीप सिंह प्रधान प्रत्यासी ठाकुर पवन सिंह न्यू आराध्या संचालक सुधाकर उपाध्याय पत्रकार अनार सिंह यादव पत्रकार अनूप यादव पत्रकार राजन सिंह पत्रकार विष्णु शर्मा पत्रकार

अमेजन से मंगाया था मोबाइल फोन : निकला साबुन कंपनी पर लगा जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। अमेजन से ऑनलाइन मोबाइल मांगने पर उपभोक्ता को सीलबंद डिब्बे में साबुन मिला। शिकायत करने के बाद भी कम्पनी ने समस्या का निस्तारण नहीं किया था। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय अध्यक्ष दीपक कुमार त्रिपाठी व सदस्य दिनेश कुमार गुप्ता की पीठ ने बेंगलुरू कर्नाटक स्थित अमेजन ऑनलाइन डिस्ट्रीब्यूशन सर्विस के विरुद्ध एकपक्षीय आदेश कर उपभोक्ता को 45 दिनों के अंदर मोबाइल की कीमत 61,999 रुपये और 20 नवम्बर 2024 से 7 प्रतिशत ब्याज के साथ अदा करने का आदेश दिया है। सिद्धार्थ नगर निवासी केतन सक्सेना ने अपने वकील धीरज सक्सेना के जरिये आयोग में वाद दायर किया था। कंपनी ग्राहक को शारीरिक व मानसिक क्षति के एवज में 30 हजार तथा वाद व्यय 10 हजार रुपये भी अतिरिक्त अदा करेगी।

स्वामी दीपांकर महाराज बोले- जातिगत भेदभाव छोड़ एकजुट हो हिंदू, समाज से 2026 के लिए किया ये आह्वान

सहारनपुर के गंगोह में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में स्वामी दीपांकर महाराज ने हिंदू समाज से जातिगत भेदभाव त्याग कर एकजुट होने और 2026 में जातिवाद को समाप्त करने का आह्वान कियासहारनपुर में गंगोह में विराट हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता स्वामी दीपांकर जी महाराज ने हिंदू समाज से जातिगत भेदभाव त्याग कर एकजुट होने और वर्ष 2026 में जातिवाद को विदा करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने देशभक्ति से औत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। स्वामी दीपंकर जी महाराज ने अपने संबोधन में बांग्लादेश की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां हिंदुओं की हत्याओं के दौरान किसी की जाति नहीं पूछी गई, सभी को केवल उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया। उन्होंने चेताया कि यदि हिंदू समाज आपसी भेदभाव में बंटा रहा, तो इसके दुष्परिणाम और गंभीर हो सकते हैं। उनके इस संदेश ने सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह को गंभीर चिंतन के लिए प्रेरित किया।उन्होंने महिलाओं से भी समाज को एकजुट करने की मुहिम में आगे आने की अपील की। स्वामी दीपांकर ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में शोभायात्राओं और धार्मिक आयोजनों पर हो रही घटनाएं समाज के लिए चेतावनी हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हिंदू समाज को एक मंच पर आना ही होगा। मंच पर ग्रंथी देवेंद्र सिंह, वीरेंद्र शास्त्री, बीके संतोष, साध्वी शरण दास, महंत लक्ष्मी चंद, योगानंद, विभाग प्रचारक आशुतोष, जिला कार्यवाह मनीष सहित अनेक संत व पदाधिकारी विराजमान रहे। सभी वक्ताओं ने हिंदू समाज से जातियों से ऊपर उठकर एकजुट होने और सामाजिक समरसता को अपनाने की अपील की। संचालन डा. अमित गर्ग और गगन गर्ग ने संयुक्त रूप से किया। समिति के रमेश चंद गर्ग, विकास मित्तल, मा. यशपाल सैनी, मनोज गोयल, शशिकांत शर्मा, विजय पाल, राजेश काका, सतकुमार, दीपक सैनी, राकेश मित्तल, देवेंद्र प्रधान सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सम्मेलन में उठा यूजीसी का मुद्दा - म्मेलन के दौरान उस समय विशेष स्थिति उत्पन्न हो गई, जब स्वामी दीपांकर जी महाराज के प्रवचन के बीच एक महिला राजनंदिनी ने खड़े होकर यूजीसी से जुड़े मुद्दे को उठा दिया। महिला ने कहा कि जहां एक ओर जातिवाद समाप्त कर हिंदुओं को एकजुट होने की बात कही जा रही है, वहीं दूसरी ओर यूजीसी के माध्यम से स्वर्ण समाज के बच्चों का भविष्य अंधकार में जाता दिखाई दे रहा है। इस पर स्वामी दीपांकर जी महाराज मंच से उतरकर महिला के पास पहुंचे और कहा कि यदि किसी भी नीति या व्यवस्था से हिंदू समाज की एकजुटता को खतरा उत्पन्न होता है, तो सरकार निश्चित रूप से इस विषय पर ध्यान देगी।

हमारी संस्कृति हमारी एकता का उत्सव विराट हिन्दू धर्म सम्मेलन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में मॉडल टाऊन बरेली में इंद्रा पार्क में विराट हिन्दू सम्मेलन कल 29 जनवरी गुरुवार को होगा। जिसमें हिंदू सनातनी समाज से विनम्र निवेदन है कि बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले। आरएसएस के शहर प्रांत प्रचारक विनोद भाई जी मुख्य वक्ता, मातृ शक्ति दीप्ति भारद्वाज,अध्यक्ष रवि छाबड़ा, कार्यकम संजोयक पूर्व उप सभापति अतुल कपूर आदि उपस्थित होगे । कार्यकम का संचालन धीरज सेठी जी करेंगे। माननीय मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के माल्यार्पण वा स्वागत आर एस एस के कई कर्मठ सेवादार एवं धार्मिक समिति अध्यक्ष रवि छाबड़ा,सुशील अरोड़ा,अतुल कपूर,संजीव चांदना,अनिल अरोरा,जुगल किशोर, धीरज सेठी आदि ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत मंच पर धार्मिक सेवा समिति के अध्यक्ष रवि छाबड़ा,अतुल कपूर,सुशील अरोड़ा,अनिल अरोरा,जुगल किशोर,संजीव चांदना, गोविंद तनेजा,संजय आनन्द,डॉ अजय कक्कड़ आदि ने किया। मीडिया प्रभारी गोविन्द तनेजा ने बताया कि इस विशाल धर्म सम्मेलन में हमारी चेतनाओं तथा धर्म एवं संस्कृति के प्रति हमारी पीढ़ी में घटते हुए रुझान को एक नई दिशा प्रदान करने हेतु, सनातन संस्कृति के संरक्षण- संवर्धन के प्रति हम सबको जागृत करने के लिए इस हिन्दू धर्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है ।सभी माताओं, बहनों और युवा समाज से आग्रह है कि वह इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का शुभारंभ एक संकीर्तन यात्रा के रूप में प्रात: 10:00 बजे श्री हरि मंदिर से होगा उसके पश्चात कार्यक्रम स्थल पर प्रमुख विचारकों एवं चिंतकों की ओर से बौद्धिक उद्बोधन होगा। हम लोग सम्मेलन में पहुंचकर वर्तमान परिस्थितियों से अवगत हों और सम्मिलित रूप से धर्म के प्रति जागरूक होकर राष्ट्र निर्माण में अपनी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। आपकी गरिमामयी उपस्थिती आयोजकों के लिए एक सुखद अनुभूति, संबल एवं ऊर्जा का कार्य करेगी । कार्यक्रम के पश्चात प्रभु प्रसादी का वितरण भी होगा।

प्रतीक ने अपर्णा यादव के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा, ऑल इज गुड, पहले खुद लिखी थी तलाक की बात

मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक ने पत्नी अपर्णा से विवाद और तलाक लेने की खबरों के बीच एक नई पोस्ट की है जिसमें उन्होंने सब कुछ ठीक होने का दावा किया है।सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव ने पत्नी अपर्णा यादव के साथ एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें उन्होंने लिखा, ऑल इज गुड। कुछ दिन पहले दोनों के बीच विवाद होने की खबरें आई थीं और प्रतीक ने अपर्णा पर घर तोड़ने का आरोप लगाया था।पहले की पोस्ट में लिखा था कि अपर्णा को दे देंगे तलाक- पहले की गई अपनी पोस्ट में प्रतीक यादव ने अपर्णा यादव को स्वार्थी बताया था और कहा था कि वो अपर्णा को तलाक दे देंगे पर अब उन्होंने सबकुछ ठीक होने का दावा किया है। इंस्टाग्राम की अपनी नई पोस्ट में उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा कि ऑल इज गुड। चैंपियन वो होते हैं जो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल समस्याओं को खत्म कर देते हैं। हम लोग एक चैंपियन परिवार हैं।वहीं, अपर्णा के भाई अमन बिस्ट ने कहा कि दोनों के बीच सब कुछ सही था, कभी कुछ गड़बड़ हुआ ही नहीं था।

रिश्ते में मनमुटाव लाने की लोगों की थी साजिश, जो नाकाम रही। 2011 में हुई थी शादी, अमिताभ बच्चन सरीखे सेलिब्रेटी हुए थे शामिल- बताते चलें कि अपर्णा यादव और प्रतीक की शादी वर्ष 2011 में हुई थी। इससे पहले वह दोनों आठ साल तक दोस्त रहे। यह बात अपर्णा ने एक इंटरव्यू में कही थी। 2011 में हुई ये शादी चर्चित शादियों में से एक थी। अपर्णा-प्रतीक की इस शादी में अनिल अंबानी, अमिताभ बच्चन सरीखे सेलिब्रेटीज शामिल हुए थे। अर्पणा बिष्ट यादव ने ब्रिटेन की मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल पॉलिटिक्स में मास्टर डिग्री हासिल की है। प्रतीक लीड्स यूनिवर्सिटी से मैनेजमेंट डिग्री ली है। अपर्णा और प्रतीक यादव की एक बेटी प्रथमा है। प्रतीक यादव मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के पुत्र हैं।

गणतंत्र दिवस पर शिक्षकों, छात्रों, समाज सेवी , अधिकारियों को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर गोल्डन ग्रीन पार्क समिति द्वारा पूरे उत्साह, उमंग और देशभक्ति के वातावरण के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। जिसमे शिक्षकों, छात्रों, समाज सेवी एव अफसरों को सम्मानित किया गया। गोल्डन ग्रीन पार्क कॉलोनी में सुबह से खुशी का माहौल था। लोग समय से पहले ही कार्यक्रम स्थल पर एकत्र होने लगे थे। सभी के चेहरों पर राष्ट्र के प्रति गर्व और सम्मान की भावना स्पष्ट दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम की शुरुआत समिति के अध्यक्ष आदरणीय अल्केश भदौरिया द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। जैसे ही तिरंगा लहराया, सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को नमन किया। उस क्षण पूरा वातावरण देशभक्ति से भर गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने गर्व के साथ इस पल को महसूस किया। ध्वजारोहण के बाद कॉलोनी के बच्चों ने अपनी-अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। कुछ बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविताएँ सुनाईं, तो कुछ बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया और लोगों ने तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। बच्चों के चेहरे पर आत्मविश्वास और खुशी साफ झलक रही थी। इस अवसर पर शोभा मिश्रा ने संचालन किया। उन्होंने पूरे कार्यक्रम को बहुत ही सरल, सहज और अनुशासित तरीके से संचालित किया। उनके सधे हुए शब्दों और मधुर आवाज़ ने कार्यक्रम को और भी सुंदर बना दिया। समिति के विभिन्न सदस्यों ने भी गणतंत्र दिवस के महत्व पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने संविधान, अधिकारों, कर्तव्यों और देश की एकता पर सरल शब्दों में प्रकाश डाला। कार्यक्रम का एक विशेष और प्रेरणादायक भाग वह रहा, जब समिति के अंतर्गत रहने वाले अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को सराहते हुए समिति की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। यह सम्मान उनके प्रति कृतज्ञता का प्रतीक था। शिक्षकों को सम्मानित होते देख सभी ने गर्व और खुशी महसूस की। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था में सभी ने आनंद लिया। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस की खुशी में मिष्ठान वितरित किया गया। आपसी मेलजोल और सौहार्द के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह देशप्रेम, एकता और सामाजिक सहयोग का सुंदर उदाहरण था। यह गणतंत्र दिवस सभी के लिए यादगार बन गया।

"Emotional safety" is now Gen-Z's primary preference in love, not "filmy drama"; understand why.

Expressing love while drenched in the rain, a violin playing in the background, and heavy dialogue like "I'll fight the whole world for you"... were once considered very appealing, but if you ask Gen-Z, they find it less romantic and more of a headache. In fact, young people are now looking for "emotional safety" in relationships, abandoning "filmy drama." Emotional safety is now a priority for Gen-Z in love, with peace of mind and comfort being paramount in relationships. Do you remember the love of old movies? Getting drenched in heavy rain, fighting the world for each other, and many ups and downs in relationships. There was a time when this was considered "true love," but today's times have changed. For today's new generation, Gen-Z, love no longer means "madness" but "peace" (Gen-Z Relationship Priorities). They no longer want filmy drama in their relationships, but rather "emotional safety." Let's find out why this is happening. What is "emotional safety"? Simply put, "emotional safety" means a relationship where you don't have to pretend to be "perfect." A person you can cry with, express your weaknesses, and not fear being ridiculed or judged. For Gen-Z, love is no longer about "I would die without you," but rather "I feel better with you." Why is drama being said "NO"? Mental health is paramount: Today's young generation doesn't want to compromise their peace of mind. They immediately dismiss a relationship that is filled with suspicion, jealousy, and daily conflicts as "toxic," and walk away. Distance from the world of show-off: Posting 'couple goals' photos on social media is one thing, but in real life, Gen-Z needs a partner who listens and understands them, and not just be there to show off to the world. Searching for green flags: Now, before looking at looks or money in a partner, people look for 'green flags'. Like - does he listen to me? Does he respect my boundaries? The meaning of love has changed. Overall, the definition of love is changing. Gen-Z has made it clear that love should not mean sleepless nights. Love should be something that gives you homely comfort after a tiring day.

Rajasthan's "Kacchi Ghori Dance" is a unique blend of valor, culture, and color, with a fascinating history.

Have you ever seen dancers displaying their martial prowess while riding on fake horses? This unique display of bravery and courage on the sandy soil of Rajasthan is called the "Kacchi Ghori Dance." This dance, which has become the hallmark of the Shekhawati region (Sikar, Churu, and Jhunjhunu), is not just entertainment but a glorious saga of heroes and folk heroes. The "Kacchi Ghori Dance" is a famous folk dance of Rajasthan. Male performers perform battles while wearing fake horses. This dance conveys the message of valor, courage, and unity. Rajasthan is known for its colorful culture, and a prime example of this is the "Kacchi Ghori Dance." This famous folk dance is especially popular in the Shekhawati region, namely Sikar, Churu, and Jhunjhunu. It's not just a dance, but it brings to life before the audience the stories of valor, bravery, and the legendary folk heroes of ancient times. Its unique style and colorful costumes make it one of the most captivating dances of Rajasthan. How did this unique dance originate? The history of the Kutchi Ghori dance is ancient and fascinating. Its origins are believed to be in the stories of Rajasthan's valiant warriors and folk heroes (also known as rebels or bandits) who fought for the people. In ancient times, this dance was performed to celebrate victories in battle. It also beautifully depicts the struggle between good and evil. The unique style of the performers: This dance is primarily performed by male performers. Its most distinctive feature is the costumes. The performers wear a special type of "Katchi Ghori" (fake horse). After wearing it, it appears as if they are riding a real horse. During the dance, the performers demonstrate the horse's gait, leaps, and fighting postures. When the entire group moves in unison in rhythmic motion, the spectacle leaves a profound impact on the audience. Energetic Music and Celebration - The Kutchi Ghori dance is commonly performed at wedding ceremonies, fairs, and large cultural events. The music is loud and energetic, evoking a sense of bravery. The dhol, nagada, and shehnai are the main instruments. This dance is not only a form of entertainment, but also conveys a profound message of unity, courage, and valor to society.

A mother used to sell vegetables on the street, her son became a CRPF soldier; this is how the happy news was conveyed

An emotional video of a vegetable vendor mother and her son, Gopal Sawant, in Sindhudurg, Maharashtra, is going viral. Gopal told his mother that he had joined the Central Reserve Police Force (CRPF). Upon hearing this news, the mother burst into tears of joy and embraced her son. Son joins CRPF, gives mother the good news - Emotional video of vegetable vendor mother and son goes viral - Gopal Sawant of Sindhudurg selected in CRPF. A video of a woman selling vegetables on the roadside in Sindhudurg, Maharashtra, is going viral on social media. The woman is crying while hugging her son, but these are tears of joy, and the internet is moved by the sight. When Gopal Sawant, a resident of Sindhudurg, told his mother that he had joined the Central Reserve Police Force (CRPF), both of them were overjoyed. The video clearly shows a woman sitting on the roadside selling vegetables. Gopal runs to her and falls at her feet. The woman picks him up and embraces him. Hearing Gopal's words, she breaks down in tears. The two embrace each other and weep. The video goes viral. A user named Vilas Kudalkar shared this video on the social media platform Instagram. Captioning the video in Marathi, Vilas said, "Gopal Sawant of Shetkarwadi, Pinguli, has been selected to serve the nation in the CRPF. A heartwarming video has emerged of him delivering this good news to his mother, who sells vegetables on the sidewalk in Kudal Nagar Panchayat." User reactions: Gopal's video has received millions of views. Many users have left glowing comments on the video. One user wrote, "Truly, today that mother's hard work has paid off. She is very lucky to have such a son." Another user wrote, "My mother's debt is paid off brother, now take good care of your parents." Another user wrote, "We are proud of you."

Actress Mimi Chakraborty alleges harassment during a stage performance, files police complaint

Actress and former TMC MP Mimi Chakraborty has filed a police complaint in the North 24 Parganas district of West Bengal, according to a senior police officer. Chakraborty has alleged harassment and humiliation during a live event held in the Nayagram area of complaint, Tanmay Shastri, one of the performance, and asked her to leave the humiliated and offended by the incident. police station via email. Tanmay Shastri's Yuvak Sangh Club, has denied these late. Tanmay Shastri said, "The program the area are having board exams, so the or harass Mimi. Her allegations are bodyguards misbehaved with female club pm. Mili has misunderstood - Tanmay star, but if we had continued the event stopped it and filed a case against us. If we apologize for that.' The police are Chakraborty? Mimi Chakraborty is an politician. She is primarily known for her

stage show. The incident occurred at a cultural ??Bongaon city on Sunday. According to Mimi's organizers, climbed on stage, interrupted Mimi's stage at midnight. Mimi stated that she felt deeply She filed a written complaint with the Bongaon statement: Meanwhile, the organizing committee, allegations, claiming Mimi arrived about an hour was permitted only until midnight." Students in event had to be stopped early. We did not insult completely false.' He also alleged that Mimi's members who came on stage to honor her at 11:45 Shastri further said, 'We know that Mimi is a big after 12 midnight, the police would have come and Mimi has any misunderstanding or felt offended, investigating the matter. Who is Mimi Indian Bengali actress, singer, and former work in Tollywood (Bengali film industry). In 2019, she entered politics and was elected Lok Sabha MP from Jadavpur on a TMC (Trinamool Congress) ticket, but resigned in 2024 due to differences with local leaders.

Chiranjeevi denies casting couch in the Telugu industry, singer Chinmayi reacts; shares personal experience

Actor Chiranjeevi recently denounced the existence of casting couch in the Telugu industry. Renowned singer Chinmayi Sripada has reacted to his comments, sharing her own personal experience. Popular singer actor Chiranjeevi's recent comment, in the Telugu industry. Chinmayi experience and the experiences of couch? Chiranjeevi recently said at couch culture; it depends on the and others' experiences, dismissed couch as a persistent problem in the Chinmayi said, "Commitment has Chinmayi shared a post on social story of a woman who came to India "Casting couch is very common. If a word that has a completely is not a mirror," the singer added, person's character. As Chiranjeevi are." To this, Chinmayi argued, industry, where their perspective on know what's going on here. So, no, Singer cited Vairamuthu as an

Chinmayi Sripada has publicly responded to veteran in which the actor denied the existence of casting couch refuted Chiranjeevi's claim, sharing her own personal other women. What did Chinmayi say about casting a public event in Hyderabad, "There is no such casting individual." In response, Chinmayi, citing her own his claim as false. Chinmayi also described casting industry, affecting many women entering the field. a completely different meaning in the industry." media, describing specific incidents, including the for work and faced harassment. Chinmayi wrote, women don't fully commit, they are denied roles. It's different meaning in the film industry." "This industry adding that the film industry isn't just a reflection of a said, "This industry is like a mirror. It shows who you "Now, girls from abroad aspire to work in the film the world is broader." They're very educated and this industry isn't a mirror that reflects who you are." example - Chinmayi also shared her own experience. She said, "Vairamuthu didn't sexually harass me because I wanted to. I was an adult, fresh out of my teens. I respected him as a mentor, a legendary lyricist. And I didn't think he was some insecure old man. My mother was in the same place - yet he still sexually harassed me. Even having parents around such people doesn't change anything. They believe they deserve something in return for work; they are the problem." Chinmayi spoke out against lyricist Vairamuthu during the #MeToo movement. In 2018, the singer revealed that Vairamuthu had molested her when she was new to the industry. If you think 'commitment' means 'professionalism,' you're wrong. Speaking about the terminology used in the industry, Chinmayi warned against misunderstandings. She said, "If you come from an English-educated background and believe that 'commitment' means 'professionalism,' coming to work and being committed to your work, you'd be wrong. Men are in a position where they feel entitled. They'll demand and expect favors from women." "Chiranjeevi probably comes from that generation..." Chinmayi further wrote, "I know a man who tried to physically assault a female musician in a studio. Abuse and sexual harassment of girls is a huge problem." Speaking about the generational gap, Chinmayi explained, "Chiranjeevi Garu comes from a generation where they were all friends or family friends with their female co-stars. They respected each other, worked with veterans, and are veterans themselves. However, the current environment presents different challenges.

The release date of Ajay Devgn's 'Dhamaal 4' has been changed again. The makers made this decision for this reason; find out when the film will release?

A few days ago, the makers of 'Dhamaal 4' postponed its release date to avoid clashing with 'Dhurandhar 2' and 'Toxic' in theaters. However, the film's release date has been changed once again. Find out why the release date of 'Dhamaal 4' has been changed. This is bad news for fans of 'Dhamaal 4'. This is the second time the film's release date has been changed. Initially, the makers announced that the film would not be released on Eid, but instead would be released on June 12, 2026. But now this date has also been changed. On which date will 'Dhamaal 4' hit theaters? Why have the makers changed the release date? Find out. What is the new release date of 'Dhamaal 4'? Ajay Devgn, Riteish Deshmukh, Arshad Warsi, and Javed Jaffrey starrer "Dhamaal 4" will now be released on July 3, 2026. Audiences will now be able to see this franchise film in theaters on the new date. The film had previously pushed its release date to avoid a clash with "Toxic" and "Dhurandhar 2." However, the makers have explained the reason for this move. Why did the makers choose the new release date? - The makers of "Dhamaal 4" chose the new release date for a specific reason. They believe that July 3 is an auspicious day. This is why the film is being released on this date. The film is directed by Indra Kumar. "Dhamaal 4" will feature a large star cast. In addition to Ajay Devgn, Riteish Deshmukh, Arshad Warsi, and Javed Jaffrey, the film also stars Esha Gupta, Sanjeeda Sheikh, Anjali Anand, Upendra Limaye, Vijay Patkar, and Ravi Kishan. The film is produced by Ajay Devgan, Bhushan Kumar, Krishan Kumar, Ashok Thakeria, Indra Kumar, Anand Pandit and Kumar Mangat Pathak.